भोपाल

मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 183
भोपाल, गुरुवार
04 सितंबर 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

03 कलेक्टर कार्यालय में लोकसभा सांसद आलोक शर्मा की...

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

खिलाड़ी विकास कार्यक्रमों के लिए रुके 15 करोड़ का... 06

जीएसटी 2.0 से अब मिडिल क्लास बना महाराजा

घरेलू सामान सस्ते होने से बढ़ेगी खरीदारी, उद्योगों को मिलेगी उड़ान

- दूध, घी, पनीर, मक्खन होगा सस्ता!
- जीएसटी कटौती का फायदा सीधे ग्राहकों तक पहुंचेगा, मदर डेयरी का बड़ा बयान
- कॉमन मैन और मिडिल क्लास आइटम में पूरी तरह से कटौती की गई है
- डिश वॉशिंग मशीन, छोटी कारें, एसी पर 18 प्रतिशत
- आम, अमरूद, घी, मक्खन पर अब 5 प्रतिशत जीएसटी
- लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस से जीएसटी पूरी तरह खत्म
- चमड़ा और ग्रेनाइट पर अब 5 फीसदी जीएसटी
- छोटी कारों, कॉमन मैन और मिडिल क्लास आइटम में पूरी तरह से कटौती की गई है। मोटरसाइकिल पर जीएसटी- 28 से 18 प्रतिशत
- सभी टीवी सेट पर जीएसटी को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया
- साल की शुरुआत पहले ही सरकार ने बजट में 12 लाख रुपये तक सालाना आय को टैक्स फ्री कर दिया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नवरात्रि और दिवाली से पहले आम आदमी को मोदी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अगुवाई वाली जीएसटी काउंसिल ने टैक्स सिस्टम में अहम बदलाव किए हैं। इसके तहत फूड आइटम्स और रोजमर्रा के सामान के साथ-साथ टीवी और रेफ्रिजरेटर जैसे घरेलू सामानों पर टैक्स रेट में भारी कटौती का ऐलान हुआ है।

जीएसटी में बदलाव से अब मिडिल क्लास को और ज्यादा बचत होगी, जिसे इस साल के बजट में 12 लाख रुपये तक की सालाना इनकम को टैक्स फ्री किए जाने से भी काफी राहत मिली थी। मदर डेयरी ने साफ किया है कि टैक्स में कमी का सीधा फायदा ग्राहकों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे घरेलू बजट को बड़ी राहत मिलेगी। मदर डेयरी ने आज कहा कि वह विभिन्न उत्पादों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगी। मदर डेयरी देश की सबसे बड़ी दूध कंपनियों में से एक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक्स पोस्ट में बताया है कि जीएसटी रेट में बदलाव का मकसद आम आदमी के जीवन को आसान बनाना है. पीएम मोदी ने कहा कि व्यापक सुधारों से आम आदमी, किसान, मिडिल क्लास, महिलाएं और युवा सभी को फायदा होगा।

दरें 22 सितंबर से लागू होंगी

कंज्यूमर और डोमेस्टिक वस्तुओं पर जीएसटी

- हेयर ऑयल, शैम्पू, टूथपेस्ट, शेविंग उत्पाद, टैल्कम पाउडर 18%से 5%
- टॉयलेट साबुन (बार/केक) 18% से 5%
- टूथब्रश, डेंटल फ्लॉस 18% से 5%
- शेविंग क्रीम/लोशन, आफ्टरशेव 18त्न से 5त्न
- सामान्य टेबलवेयर/किचनवेयर (लकड़ी, लोहा, तांबा, एल्युमीनियम, प्लास्टिक) 12% से 5%
- इरेजर 5% से शून्य
- मोमबत्तियां 12% से 5%
- छाते और संबंधति वस्तु 12% से 5%
- सिलाई सुइयां 12% से 5%
- सिलाई मशीनें और पुर्जे 12% से 5%
- कपास/जूट से बने हैंड बैग 12% से 5%
- शिशुओं के लिए नैपकिन/डायपर 12% से 5%
- पूरी तरह से बांस, बेंत, रतन से बने फर्नीचर 12% से 5%
- दूध के डिब्बे (लोहा/स्टील/एल्यूमीनियम) 12% से 5%
- पेंसिल, शार्पनर, चॉक 12% से शून्य
- मानचित्र, ग्लोब, चार्ट 12% से शून्य
- प्रैक्टिस बुक, नोटबुक 12% 5%से शून्य

किस सेक्टर में कितनी छूट

फूड आइटम्स

- वनस्पति वसा/तेल 12% से 5% में
- मोम, वनस्पति मोम 18% से 5% में
- मांस, मछली, फूड प्रोडक्ट्स 12% से 5% में
- डेयरी उत्पाद (मक्खन, घी) 12% से 5% में
- छेना-पनीर 12% से 0%
- सोया दूध 12%से 5% में
- चीनी, उबली हुई मिठाइयां 12%-18% से 5% में
- चॉकलेट और कोको पाउडर 18% से 5% में
- पास्ता, कॉर्न फ्लेक्स, नूडल्स, बिस्कुट, माल्ट एक्सट्रेक्ट) 12%-18% से 5% में
- जैम, जेली, मुरब्बा, मेवे/फलों का पेस्ट, सूखे मेवे, मेवे 12% से 5%में
- फलों का रस, नारियल पानी 12% से 5% में
- पहले से पैक पिज्जा ब्रेड, खाखरा, चपाती, रोटी 5% से शून्य

कागज पर जीएसटी रेट

- अभ्यास पुस्तिकाओं, ग्राफ पुस्तकों, प्रयोगशाला नोटबुक के लिए कागज 12% से शून्य
- ग्राफिक कागज 12त्न से 18%
- कागज के बोरे या बैग, बायोडिग्रेडबल बैग 18% से 5%

कार-बाइक पर टैक्स

- टायर 28% से 18%
- मोटर वाहन (छोटी कारें, तिपहिया वाहन, एम्बुलेंस, 350cc से छोटी मोटरसाइकिल, कमर्शियल व्हीकल) 28% से 18%
- मोटरसाइकिलें 350cc से छोटी 28% से 40%
- बड़ी एसयूवी, लक्जरी/प्रीमियम कारें, सीमा से ऊपर की हाइब्रिड कारें, रेसिंग कारें 28% से 40%
- रोइंग बोट/डोंगी 28% से 18%
- साइकिलें और गैर-मोटर तिपहिया वाहन 12% से 5%

हेल्थ पर जीएसटी

- हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस 18%से शून्य
- थर्मामीटर, डायग्नोस्टिक किट 12% 18% से 5%
- रक्त ग्लूकोज मॉनिटर (ग्लूकोमीटर) 12%से 5%
- मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन और हाइड्रोजन पेरोक्साइड 12%से 5%

मिडिल क्लास के लिए जीएसटी राहत

अब से पहले के चार स्लैब की बजाय 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के सिर्फ दो टैक्स स्लैब होंगे। ये दरें 22 सितंबर से लागू होंगी। हालांकि, तंबाकू उत्पाद जैसे सिन-गुड्स और अल्ट्रा लग्जरी आइटम्स पर पहले के 28 प्रतिशत के बजाय अब 40त्न टैक्स लगेगा. सरकार का मकसद साफ है कि मिडिल क्लास के हाथों में ज्यादा पैसा वापस दिया जाए, जो अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम है और सबसे अधिक खर्च करता है, साथ ही घरेलू उपभोग को बढ़ावा दिया जा सके। इससे लंबे त्योहारी सीजन से पहले थोक खरीद को भी बढ़ावा मिलेगा, जब मिडिल क्लास आमतौर पर अपनी जेब ढीली करता है। इस तरह, कुछ हद तक, 50त्न अमेरिकी टैरिफ के कारण निर्माताओं को होने वाले आर्थिक नुकसान को कम किया जा सकेगा।

उद्योगों को बूस्ट मिलने की उम्मीद

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, ये सुधार आम आदमी को ध्यान में रखकर किए गए हैं। आम आदमी के रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुओं पर लगने वाले हर टैक्स की कड़ी समीक्षा की गई है और ज्यादातर मामलों में रेट्स में भारी कमी आई है। श्रम-प्रधान उद्योगों को अच्छा समर्थन दिया गया है। किसानों और कृषि क्षेत्र के साथ-साथ हेल्थ सेक्टर को भी फायदा होगा। सरकार के इस कदम से न सिर्फ मिडिल क्लास की बचत बढ़ेगी बल्कि उसकी परचेजिंग पावर भी मजबूत होगी। खरीदारी बढ़ने से श्रम प्रधान उद्योगों से जुड़े लोगों को रोजगार के ज्यादा मौके मिलने की भी उम्मीद है। जीएसटी सुधारों का यह कदम देश के लेबर फोर्स के लिए निर्णायक साबित हो सकता है।

जीएसटी में दी गई राहत पर सीएम की प्रतिक्रिया

सभी वर्गों के सशक्तिकरण में लाभदायी होगी सिद्ध

जीएसटी काउंसिल के फैसले पर सीएम डॉ मोहन यादव की प्रतिक्रिया आई हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी में दी गई राहत सभी के लिए एक गुलदस्ते के समान है। यह निर्णय सभी वर्गों के सशक्तिकरण में लाभदायी सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच देशवासी, उदधमी, गरीब सबका ध्यान रखा है। देश ने दुनिया के सामने अदभुत तस्वीर बनाई है। 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि सौगातें मिलने वाली हैं। एक महीने से कम समय में जीएसटी को लेकर फैसला हुआ। सीएम ने आगे कहा कि गरीबों से लेकर मध्यम वर्ग को बड़ा लाभ मिला है। किसान, शिक्षण सामग्री को लेकर बड़ा निर्णय है। खेती-किसानी की मशीनों को लेकर भी बड़ा निर्णय लिया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में जीएसटी 18 से जीरो प्रतिशत कर दिया गया है, यह पूरे देशवासियों के लिए आनंद की बात है।

आम आदमी के लिए क्या बदलेगा?

इसका तत्काल प्रभाव रोजमर्रा में इस्तेमाल किए जाने वाले फूड प्रोडक्ट्स पर दिखेगा। साथ ही रेडीमेड फोजन पराठे, रोटी, खाखरा, पिज्जा ब्रेड और पनीर अब पूरी तरह जीएसटी फ्री हैं। सभी डेयरी मिल्क पहले से ही जीएसटी से फ्री थे, लेकिन अब सरकार ने अल्ट्रा-हाई-टेम्परेचर (यूएचटी) दूध या लंबे समय तक चलने वाले दूध पर टैक्स रेट घटाकर जीरो कर दी है। इसके अलावा, प्लांट-बेस्ड मिल्क ड्रिंक्स और सोया मिल्क ड्रिंक्स, दोनों पर जीएसटी की दर घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। मक्खन और घी, जैम, फ्रूट जेली, सॉस, पैक्ड नमकीन और भुजिया जैसी रसोई की जरूरी चीज़ों पर जीएसटी की दर 12-18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है. पास्ता, कॉर्नफ्लेक्स, बिस्किट, चॉकलेट और कोको प्रोडक्ट, सूखे मेवे और मेवे, और खजूर पर भी सिर्फ 5 प्रतिशत टैक्स लगेगा। ये मिडिल क्लास के लिए जरूरी मासिक खरीदारी हैं और जीएसटी में कमी से ये प्रोडक्ट्स सस्ते हो जाएंगे और घरेलू बजट आसान हो जाएगा। हेयर ऑयल, टूथपेस्ट, शैम्पू, कंघी जैसी पर्सनल यूज के सामान पर भी अब 18 की बजाय सिर्फ 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जो सस्ता हो जाएगा. टेबलवेयर, किचनवेयर, छाते, बर्तन, साइकिल और बांस से बने फर्नीचर पर भी सिर्फ 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

टीवी, एसी, छोटी कारें होंगी सस्ती

त्योहारों का सीजन वो टाइम होता है जब मिडिल क्लास आमतौर पर महंगे सामानों पर, खासकर भारी छूट के कारण, खूब पैसा खर्च करता है. एसी, बड़े स्क्रीन वाले टीवी, रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन जैसे प्रोडक्ट पर 28 से बढ़कर 18 प्रतिशत जीएसटी लगने वाला है, जिससे उपभोक्ता और ज्यादा बचत की उम्मीद कर सकते हैं। मिडिल क्लास के लिए एक और खुशी की बात यह है कि पर्सनल हेल्थ और जीवन बीमा प्रीमियम, जिन पर पहले 18 प्रतिशत टैक्स लगता था, अब जीएसटी फ्री होंगे। इससे न सिर्फ हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम ज्यादा किफ़ायती होंगे, बल्कि इनकी पहुंच भी काफ़ी बढ़ेगी क्योंकि अब यह पहली बार बीमा खरीदने वालों के लिए आकर्षक होगा।

अंतर्मना उवाच

पर्वों के पर्वराज का आठवां चरण - उत्तम त्याग

प्रकृति ने दो मार्ग दिये हैं.. एक- देकर जाओ या दूसरा- छोड़कर जाओ..!

क्या करके जाना है..! आप कुछ भी जोड़ लो- देखना..! एक दिन छोड़कर चले जाओगे। इसलिए ***मेरी एक बात याद रखना- आप भारत की भूमि पर मेहमान हैं, मालिक नहीं।*** *राग-द्वेष और विकारी भावों का त्याग ही* ***उत्तम त्याग है।*** *भीतर से कषाय, द्वेष, ईर्ष्या का त्याग उत्तम त्याग है।*

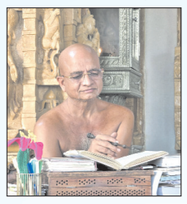

- *त्याग हमारी चेतना को, स्वस्थ और प्रसन्न करती है।*
- *त्याग प्रकृति प्रदत्त उपहार है।*
- ***नदी*** *- जल का त्याग करती है।*
- ***वृक्ष*** *- फलों का त्याग करते हैं।*
- ***गाय*** *- दूध का त्याग करती है।*
- ***आदमी*** *- मल मूत्र का त्याग करता है।*
- ***आत्मा*** *- राग-द्वेष, विकारों का त्याग करता है तो भगवान बन जाता है।*

त्याग सम्मेद शिखर की कठिन चढ़ाई है, तो राग-द्वेष जीवन की ढलान है। *शिखर जी के पहाड़ चढ़ने में दम लगता है, दम फूलता है, फिर जान निकलती है और पहाड़ उतरने में कोई मशक्कत नहीं करनी पड़ती।* ***पहाड़ चढ़कर आओ तो आदर, सत्कार। नहीं जाओ तो कर्मों की मार।*** *भारतीय संस्कृति राग की नहीं - त्याग की संस्कृति है।* ***किसी ने पूछा..!*** *दान और त्याग में क्या अन्तर है..!* ***हमने कहा-*** *जितना साली और पत्नी में है। दान दिया जाता है। त्याग किया जाता है।* ***दान- पराधीन है। त्याग- स्वाधीन है। दान देने से पाप का ब्याज चुकता है और त्याग करने से पाप का मूल चूकता है।*** *भारत महान त्याग से है। जो जोड़ते हैं, वे डूबते हैं। जो छोड़ते हैं या त्याग करते हैं, वे अमर हो जाते हैं।*

इसलिए-

जिनके जोड़े हैं - उनके जोड़ो में दर्द है। कुवारों को जोड़ो के दर्द का एहसास ही नहीं है, क्योंकि उनके जोड़े नहीं है...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

सुप्रीम कोर्ट ने भूस्खलन और बाढ़ का लिया संज्ञान

हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में पेड़ों की अवैध कटाई से आईं आपदाएं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और पंजाब में बाढ़ और बारिश से संबंधित एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बारिश और बाढ़ पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि पहाड़ियों में पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है।

हिमाचल प्रदेश में बाढ़ के पानी में पहाड़ियों से बहकर आई बड़ी संख्या में लकड़ियों के लट्ठों के वीडियो का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है। सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न राज्यों में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ पर संज्ञान लिया। मामले में कोर्ट ने केंद्र सरकार, एनडीएमए और अन्य को नोटिस जारी किए हैं। कोर्ट ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में पेड़ों की अवैध कटाई के कारण आपदाएं आई हैं। कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की, जिसमें पेड़ों की अवैध कटाई को ऐसी आपदाओं का एक प्रमुख कारण बताया गया था।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारतीय एनएचएआई के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर और पंजाब की सरकारों को भी नोटिस जारी किए। पीठ ने अनामिका राणा की ओर से दायर याचिका को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने को कहा।

सीजेआई ने क्या कहा?

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हमने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ देखी है। मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि बाढ़ में भारी मात्रा में लकड़ी बहकर आई। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि पेड़ों की अवैध कटाई हुई है। इसलिए प्रतिवादियों को नोटिस जारी करें। दो सप्ताह में जवाब दें।

हिमाचल और पंजाब में लगातार बारिश से बाढ़ के हालात

बाढ़ से 1400 गांव और 4.5 लाख लोग प्रभावित... 37 की मौत

चंडीगढ़ ■ एजेंसी

हिमाचल और पंजाब में लगातार बारिश से बाढ़ के हालात खराब हो गए हैं। पंजाब के सभी 23 जिलों में 1400 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। ऐसे में पंजाब सरकार ने पूरे राज्य को आपदाग्रस्त घोषित कर दिया है। सभी विभागों को प्रभावित सेवाओं को बहाल करने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने के आदेश दिए गए हैं। सभी विभागों में कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा है। राज्य में 3.5 लाख एकड़ जमीन में फसल डूब गई है। अब तक 37 लोगों की जान जा चुकी है। बुधवार को भी तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें बरनाला में बुजुर्ग दंपती और लुधियाना में एक युवक शामिल हैं।

दिल्ली में जल प्रलय... यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन तक पहुंचा यमुना का पानी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में आज गुरुवार सुबह फिर दिन की शुरुआत बारिश से हुई। कई हिस्सों में सुबह बारिश देखी गई। वहीं दूसरी तरफ यमुना नदी उफान पर है, जिसकी वजह से कई निचले इलाके बाढ़ की चपेट में हैं। यमुना बाजार, मजनू का टीला, मयूर विहार, गीता कॉलोनी, और झरोड़ा कलां जैसे क्षेत्रों में पानी घरों और दुकानों में घुस गया है। खराब मौसम और बारिश के कारण आज भी उड़ानें प्रभावित रहेंगी। यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन तक जाने वाला संपर्क मार्ग वर्तमान में दुर्गम है।

मोदी को गाली के खिलाफ बिहार बंद

एनडीए और बीजेपी के कार्यकर्ता सड़क पर उतरे

पटना ■ एजेंसी

महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में कांग्रेस नेता के मंच से पीएम नरेंद्र मोदी को दी गई मां की गाली के खिलाफ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बिहार बंद का असर दिख रहा है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) समेत अन्य सहयोगी दलों के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर सड़क पर वाहनों की आवाजाही रोक रहे हैं। ये बंद पांच घंटे का है। बिहार भाजपा के ज्यादातर बड़े नेता इस समय दिल्ली में हैं, क्योंकि बुधवार को कोर कमिटी की मीटिंग थी। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), कांग्रेस, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) और तीन वामपंथी दलों सीपीआई, सीपीएम व सीपीआई-माले ने

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ यात्रा निकाली थी। पटना से राजगीर जा रहे केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू भी बंद के जाम में कुछ देर फंसे रहे, हालांकि बाद में कार्यकर्ताओं ने उन्हें देखने के बाद जाने दिया। एनडीए के बिहार बंद में राजधानी पटना में जगह-जगह पर भाजपा और एनडीए दलों के कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए हैं। डाकबंगला चौक और आयकर गोलंबर पर सुबह से ही एनडीए कार्यकर्ता जमा हो गए हैं।

सीजेआई ने हाईकोर्ट का फैसला पलटा

एससी एसटी एक्ट केस में जमानत पर खींची लक्ष्मण रेखा

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के मुख्य न्यायाधीश यानी सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने हाल ही में एक फैसला सुनाते हुए कहा है कि दलितों के खिलाफ उत्पीड़न से जुड़े मामले यानी एससी/एसटी एक्ट 1989 के तहत दर्ज मामलों में किसी भी आरोपी को अग्रिम जमानत तभी दी जा सकती है, जब स्पष्ट रूप से यह साबित हो कि आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई मामला न बनता हो। यानी पहली नजर में ही यह तथ्य साबित हो जाए कि आरोपी ने दलित समुदाय के प्रति कोई हिंसा नहीं की है। सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम को कमजोर वर्ग की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से लाया गया था और यह आरोपी को गिरफ्तारी से पूर्व जमानत देने पर रोक लगाता है। पीठ ने एक आरोपी को अग्रिम जमानत देने संबंधी बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया।

नेता प्रतिपक्ष सिंघार का बयान

आदिवासी हिंदू नहीं', हम प्रकृति पूजक

भोपाल/छिंदवाड़ा ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आदिवासियों के हिंदू नहीं होने को लेकर बड़ा बयान दिया है। आदिवासी हिंदू नहीं है, हमें हिंदू बनाने की बात की जाती है। आदिवासी हिंदू नहीं वो आदिवासी है। ये बात मैं कई सालों से कह रहा हूं। गर्व से कहो हम आदिवासी हैं। पेड़, पक्षी, नदियां हमारी पहचान है। यही आदिवासियों की पहचान है। उनके बयान पर सियासी बवाल मच गया है। बीजेपी ने उन्हें आड़ेहाथों लिया है। दरअसल बुधवार को छिंदवाड़ा पहुंचे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार जिला कांग्रेस कार्यालय में मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद की बैठक व सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बहुत सालों पहले जो वर्ण व्यवस्था बनाई गई उसमें क्या स्थिति रही, क्या मनुवाद रहा ये आप सब जानते हैं। हम प्रकृति पूजक हैं और मैं तो कहता हूँ गर्व से कहो हम आदिवासी हैं, हम हिंदू नही हैं। सिंघार के बयान पर बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा- नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सोनिया गांधी को प्रसन्न करना चाहते हैं। इसलिए ऐसा बयान दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

युवती को जबरन ले जा रहा था मुस्लिम युवक, हिंदू संगठन के सदस्यों ने बचाया

दमोह। दमोह जिले के हिंडोरिया थाना क्षेत्र में एक बार फिर लव जिहाद से जुड़ा मामला सामने आया है। दलित वर्ग की एक युवती को मुस्लिम युवक लंबे समय से परेशान कर रहा था। बुधवार शाम हिंदू संगठन के सदस्यों ने उसे रंगे हाथ पकड़ने की कोशिश की, लेकिन युवक भाग निकला। इसके बाद युवती को थाने लाया गया और आरोपी इरफान के खिलाफ केस दर्ज कराया गया। बजरंग दल के सदस्यों ने मांग की है कि इस तरह के मामलों में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए। दलित हिंदू युवती ने पुलिस को बताया कि इरफान खान नाम का युवक काफी समय से उसे परेशान कर रहा था। बुधवार को आरोपी यवक ने छेड़छाड़ कर जबरन अपने साथ ले जाने की कोशिश की। इस दौरान जानकारी मिलने पर बजरंग दल के सदस्यों ने उसे मौके पर पहुंचकर बचा लिया, जबकि आरोपी भाग निकला।

तहसीलदार ने जाल बिछाकर जब्त की 22 बोरी यूरिया

शहडोल। शहडोल जिले में खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए प्रशासन सख्त हो गया है। शिकायत मिलने पर नायब तहसीलदार ने एक किसान को खाद खरीदने के लिए भेजा, जिसके बाद बड़ा खुलासा हुआ। कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने 22 बोरी यूरिया खाद जब्त की है। मामला ब्यौहारी के मैर टोला का है। जिले में यूरिया खाद की अधिक दामों पर बिक्री की शिकायतें लगातार अधिकारियों तक पहुंच रही थीं। इस पर ब्यौहारी एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार सनी द्विवेदी ने राजस्व टीम के साथ कार्रवाई की। टीम खाद वितरण केंद्र, मन टोला स्थित गोदाम में निरीक्षण करने पहुंची। इस दौरान शिकायत मिली कि मैर टोला खाद वितरण केंद्र से कुछ किसान कम दामों में खाद खरीदकर रास्ते में ऑटो में रखकर प्रति बोरी 700 रुपए तक की दर से बेच रहे हैं। शिकायत की पुष्टि करने के लिए तहसीलदार ने एक किसान को अपने सामने ही खाद खरीदने के लिए भेजा। किसान रामनरेश कोल निवासी जैसीनगर को ऑटो चालक प्रदीप पटेल ने प्रति बोरी 650 रुपए में यूरिया खाद बेच दी। इस दौरान मौके पर पहुंची टीम ने ऑटो में रखी 22 बोरी यूरिया खाद जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की।

सिमी का सदस्य हथियारों संग हुआ गिरफ्तार

खंडवा। खंडवा में प्रतिबंधित संगठन सिमी के मुखिया और भोपाल जेल ब्रेक कांड के आरोपी अकील खिलजी के पुत्र और सिमी सदस्य रहे जलील ख़िलजी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से देसी पिस्टल सहित सात जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद खंडवा पहुंचीं अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने भी उससे पूछताछ की है। इसके बाद शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने उस पर अवैध हथियारों से जुड़ा मामला दर्ज कर उसे जेल भेजा है। बता दें कि, आरोपी जलील खिलजी पर पहले ही शासकीय कार्य मे बाधा और मारपीट सहित विस्फोटक अधिनियम के मामले दर्ज हैं।

उज्जैन में 5 करोड़ के गहने चोरी में नया खुलासा

धर्म बदलने ब्रेनवॉश कर रहे थे दोस्त, मां बोली- घर में नहीं करता था पूजा

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन की SBI ब्रांच से 5 करोड़ के जेवर और 8 लाख कैश चोरी की प्लानिंग करने वाला बैंक का आउटसोर्स कर्मचारी जय भावसार उर्फ जीशान ही निकला। उसी ने अपने चार दोस्तों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। अब पुलिस ने मामले में नया खुलासा किया है। जांच में पता चला है कि वारदात में शामिल जय के चार दोस्त पिछले 6 माह से धर्म परिवर्तन के लिए उसका ब्रेनवाश कर रहे थे। इसी के चलते वह यूट्यूब पर धर्म परिवर्तन करने के वीडियो देखता रहता था। 2 सितंबर को महानंदा नगर ब्रांच में हुई 4 किलो 700 ग्राम सोने की चोरी के मामले में पुलिस ने वहीं पर काम करने वाले जय भावसार और उसके साथी अब्दुला, साहिल, अरबाज और कोहिनूर को पकड़ा है।

सबसे पहले जय ही बैंक पहुंचा था: पुलिस ने बताया कि चोरी की घटना के बाद सुबह साफ-सफाई के लिए सबसे पहले जय ही बैंक पहुंचा था। उसने ही चोरी की खबर अपने अधिकारियों को दी थी, जिसके बाद पता चला कि बैंक में गिरवी रखा करीब साढ़े चार किलो सोना और 8 लाख रुपए कैश गायब है। घटना को लेकर माधव नगर थाने में एफआइआर दर्ज कराई गई। एडीजी उमेश जोगा, डीआईजी नवनीत भसीन और एसपी प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंचे। क्राइम ब्रांच, चार थानों की टीम ने 24 घंटे अंदर चोरी का खुलासा कर दिया।

वह घर में पूजा नहीं करता था, लेकिन उसने धर्म भी परिवर्तन नहीं किया है। कभी भी ऐसा नहीं लगा कि उसका झुकाव अन्य धर्म के प्रति है। उसने कुछ नहीं किया है। वह कल (मंगलवार) सुबह गया था। रोजाना शाम को घर आ जाता था, लेकिन अब तक नहीं आया। खास बात यह है कि जय की मां को यह भी नहीं पता कि उनके बेटे ने बैंक में चोरी का बड़ा जुर्म किया है। वह लगातार उसे घर भेजने की बात करती रही।

जय भावसार उर्फ जीशान

यूट्यूब पर धर्म गुरु की बात सुनता था

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि जय भावसार चोरी की प्लानिंग का मास्टरमाइंड था। धर्म परिवर्तन कराने को लेकर उसके 4 दोस्त अब्दुला, साहिल, अरबाज और कोहिनूर कई महीनों से उसका ब्रेनवॉश कर रहे थे। जिसके चलते वह यूट्यूब पर धर्म परिवर्तन के वीडियो देखने लगा था।

जय की मां बोली- उसने धर्म बदला मुझे नहीं पता

बिलोटी पुरा के कच्चे मकान में रहने वाली महिला सरोज भावसार को बेटे जय का नया नाम जीशान तक नहीं पता है। उन्होंने बताया कि हमने तो ये नाम कभी सुना ही नहीं। बेटा बाहर किसके साथ रहता था, कौन उसके दोस्त हैं, उसने कभी नहीं बताया।

पूछा- रिश्तेदार आए हैं क्या, जवाब मिला-हां

क्राइम ब्रांच डीएसपी शैलेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि जय उर्फ जीशान से उसके चारों साथियों का हाट पिपलिया में होने का पता चला। हाट पिपलिया में आरोपी के रिश्तेदार थे। घटना के बाद सभी हाट पिपलिया पहुंचे।

नए ऑनलाइन गेमिंग कानून पर हाईकोर्ट का केंद्र को नोटिस

याचिकाकर्ता ने कहा- सुप्रीम कोर्ट ने इसे कौशल आधारित बताया, वैध भी माना है

जबलपुर ■ निसं

ऑनलाइन गेमिंग पर केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए नए कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने बुधवार को सुनवाई की। रीवा निवासी क्लबबूम 11 स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ पुष्पेंद्र सिंह ने यह याचिका दायर करते हुए कहा कि नया कानून फैंटेसी स्पोर्ट्स जैसे कौशल आधारित खेलों को भी जुए की श्रेणी में डालकर पूरे उद्योग को अवैध बना रहा है, जो संविधान के खिलाफ है। उन्होंने बताया कि 22 अगस्त को केंद्र सरकार ने जो नया ऑनलाइन गेमिंग कानून बनाया है, वह सही नहीं है। याचिकाकर्ता का कहना है कि फैंटेसी स्पोर्ट्स (जैसे ड्ढह्द्गड्डद्ब11 जैसी गेम्स) को पहले ही सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने कौशल आधारित खेल मानकर वैध घोषित किया है।

कोर्ट का फैसला- केंद्र सरकार को नोटिस: इस याचिका पर बुधवार को मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी करते हुए कहा कि वे चार हफ्तों के भीतर जवाब दाखिल करें। अब इस मामले की अगली सुनवाई 28 अक्टूबर को होगी।

अन्य राज्यों में भी चुनौती: इस कानून को मध्यप्रदेश के अलावा कर्नाटक और दिल्ली हाईकोर्ट में भी चुनौती दी गई है। इन अदालतों ने भी केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है।

कोर्ट में क्या कहा गया?: सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील गोपाल जैन और एडवोकेट अंकित सक्सेना मौजूद थे। वहीं केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पक्ष रखा।

इंदौर की बस्तियां डूबी, तालाब ओवरफ्लो, सड़कों पर नजर आया नदियों जैसा मंजर

इंदौर ■ निसं

शहर में बुधवार रात से तेज बारिश हो रही है। 12 घंटे के अंदर लगभग 4 इंच पानी गिरा है। इस बारिश ने एक बार फिर इंदौर की निचली बस्तियों और मुख्य सड़कों को जलमग्न कर दिया। रातभर हुई बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुबह होते ही बस्तियों में घुटनों तक पानी भर गया और सड़कें नदियों जैसी नजर आने लगीं।

नगर निगम की जल निकासी की पोल खुली: नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था पर सवाल उठते हुए नागरिकों ने कहा कि हर साल यही समस्या दोहराई जाती है, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं निकला। निचली बस्तियों राजेन्द्र नगर, आजाद नगर, बाणगंगा, मूसाखेड़ी और साउथ तोड़ा क्षेत्र में सबसे ज्यादा पानी भरने की खबर है। कई घरों में पानी घुसने से लोगों का सामान खराब हो गया और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा।

ट्रैफिक जाम, सड़कों पर भरा पानी: बारिश के चलते शहर की यातायात व्यवस्था भी पूरी तरह अस्त-व्यस्त रही। कई जगह वाहन बंद हो गए और लोगों को गाड़ियों को धक्का लगाकर निकालना पड़ा। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन के आसपास भी पानी भरने से यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। बायपास, सुपर कारिडोर पर भी सड़कों पर पानी भरा रहा। देवास नाका और निपानिया वाले इलाके में तो लोगों को कई बार रास्ते बदलकर आफिस तक पहुंचने के लिए मशक्कत करना पड़ी।

24 घंटे तेज बारिश का अलर्ट: मौसम विभाग ने इंदौर में अगले 24 घंटे तक तेज बारिश की संभावना जताई है। प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए राहत और बचाव दलों को तैयार रहने को कहा है। निगम अमला भी प्रभावित इलाकों से पानी निकासी में जुटा हुआ है।

ग्वालियर में जल भराव पर दायर याचिका पर सुनवाई

ग्वालियर। ग्वालियर में लगातार हो रही बारिश के चलते शहर के हालात दिन-ब-दिन खराब होते जा रहे हैं। जगह-जगह जलभराव की स्थिति है, सीवर उफान पर हैं और सड़कों की हालत जर्जर हो चुकी है। इस बीच, परेशान लोग जब नगर निगम अधिकारियों और कंट्रोल रूम को फोन करते हैं, तो कोई कॉल रिसीव नहीं करता। इसी मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए ग्वालियर हाईकोर्ट की डबल बेंच ने नगर निगम अधिकारियों के रवैये पर तल्ख टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि अफसर सुविधाएं तो पूरी चाहते हैं, लेकिन काम करना नहीं चाहते। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिए कि ऐसे अधिकारियों की निगरानी के लिए एक अलग सेल बनाई जाए, जो जनता की शिकायतें दर्ज कर जांच कर सके। यह याचिका अधिवक्ता अवधेश सिंह भदौरिया सुनवाई के दौरान नगर निगम आयुक्त संघप्रिय सहित अन्य अधिकारी कोर्ट में मौजूद रहे।

जबलपुर में पुलिसकर्मी ने वकीलों से की मारपीट

एक के पैर-हाथ में आई चोट, थाने के बाहर वकीलों ने किया प्रदर्शन

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर में दो पुलिस कर्मियों द्वारा वकीलों के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। एक वकील के पैर और हाथ में चोट लगी है। घटना के बाद बड़ी संख्या में वकील मदन महल थाने पहुंचे और संबंधित पुलिस कर्मियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने की मांग की। वहीं घायल वकील को इलाज के लिए विक्टोरिया अस्पताल भेजा गया है। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

घटना बुधवार देर रात की है। पीड़ित वकील दीपक पटेल ने बताया कि वे एक किराना दुकान के पास खड़े थे। गाड़ी हटाने को लेकर दुकानदार से उनकी कहासुनी हो रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मी सोमनाथ और एक अन्य पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और बिना कुछ समझाए उन्हें लाठी से पीटना शुरू कर दिया।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने अमित कोहली की पीठ और उनके हाथों पर भी लाठियां मारी, जिससे उनके हाथ सूज गए और पैर टूट गया। एफआईआर दर्ज करने की मांगघटना के बाद अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में वकील मदन महल थाने पहुंचे और पुलिस कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग पर अड़ गए। मनीष मिश्रा ने कहा कि कानून के जानकार होने के बावजूद पुलिसकर्मी ने बिना किसी उकसावे के अधिवक्ताओं पर हमला किया है, जो एक गंभीर अपराध है।

मिश्रा ने कहा कि घायल अधिवक्ताओं को इलाज के लिए विक्टोरिया अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने साफ किया कि दोषी कांस्टेबल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

2 तेंदुए जंगल से बाहर, स्कूलों की छुट्टी

एक ने किया मुर्गों का शिकार; 3 बार रेस्क्यू के बाद लौट रहा दूसरा तेंदुआ

नर्मदापुरम ■ निसं

नर्मदापुरम जिले में इन दिनों तेंदुओं की दहशत है। अलग-अलग स्थानों पर 3 तेंदुए रहवासी क्षेत्र में पहुंच रहे हैं। पथरौटा स्थित पावर ग्रिड परिसर में मादा तेंदुआ और उसके शावक 8 दिनों से घूम रहे हैं। एक शावक की करंट से मौत के बाद रहवासी और स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे डर रहे हैं। स्कूल प्रबंधन ने 4 से 13 सितंबर तक छुट्टी घोषित कर दी है। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री केंद्रीय विद्यालय कैंपस में भी एक तेंदुआ का 5 दिनों से घूम रहा है।

इसके अलावा एसटीआर का खूंखार तेंदुआ जंगल से बार-बार बाहर आकर रहवासी क्षेत्र में पहुंच उत्पात मचा रहा है। तेंदुआ तवा बफर

रेंज के धांसई में 3 दिनों से घुसकर ग्रामीणों की मुर्गे-मुर्गियों को शिकार बना रहा है। ग्रामीण रात में बाहर निकलने से डर रहे हैं। तेंदुआ के मूमेंट से एसटीआर ने उसे पकड़ने के लिए फिर से बुधवार शाम को दो पिंजरे लगा दिए हैं।

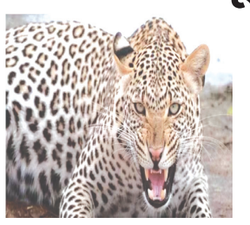

ग्रामीण के चूल्हे तक पहुंच गया तेंदुआ: जानकारी के अनुसार, धांसई गांव में दिखा तेंदुआ पहले 19 जून को सिंघानामा के पास से पकड़ा गया था। इसे चूरना के जंगल में छोड़ा गया था। इसके बाद 26 जुलाई को बासनिया गांव में यह एक ग्रामीण के घर की रसोई में जा पहुंचा था, तब भी उसे भगाकर जंगल में लौटाया गया था।

करीब 15 दिन बाद यह फिर से सात गांवों हिरणचापड़ा, खखरापुरा, सहेली आदि में देखा गया, जहां यह लगातार पालतू जानवरों का शिकार कर रहा था। 23 अगस्त को इसे खखरापुरा के पास लगे पिंजरे में तीसरी बार पकड़ा गया था। इसके बाद उसे एक और घने जंगल में छोड़ा गया, लेकिन अब फिर यह बफर जोन के रहवासी इलाकों में दिखाई दे रहा है।

शिप्रा का जलस्तर बढ़ा, उज्जैन के रामघाट में डूबे मंदिर

गुंबद तक पहुंचा पानी, छोटा ब्रिज भी डूबा, कई इलाकों में जलभराव

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन में बीती रात से लगातार हो रही तेज बारिश के कारण शिप्रा नदी उफान पर आ गई है। नदी के बढ़ते जलस्तर से रामघाट और दत्त अखाड़ा घाट पर स्थित सभी मंदिर जलमग्न हो गए हैं। वहीं, शहर के कई निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बुधवार शाम से उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों देवास, इंदौर में रुक-रुक कर तेज बारिश होती रही। बीती रात उज्जैन में 3.36 इंच बारिश दर्ज की गई, जिससे अब तक शहर में कुल 25 इंच बारिश हो चुकी है।

कई इलाकों में जलभराव, प्रशासन अलर्ट पर: बारिश के कारण शहर के बहादुरगंज, एटलस चौराहा, केडी गेट, नीलगंगा, इंदौर गेट, दशहरा मैदान सहित कई क्षेत्रों में जलभराव हो गया है। इन क्षेत्रों के रहवासी जलभराव के कारण खासे परेशान नजर आ रहे हैं।

शिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण उज्जैन-बड़नगर मार्ग स्थित छोटा ब्रिज पूरी तरह से डूब गया है। एहतियात के तौर पर पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया है।

रामघाट पर नगर निगम, होमगार्ड और एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को घाट से दूर रखा जा रहा है ताकि किसी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके।

मेडिकल कॉलेज तक पहुंचना आसान नहीं

सड़क पर गड्ढे, इलाज कराने जा रहे लोग हो रहे हादसे का शिकार

शहडोल ■ निसं

शहडोल मेडिकल कॉलेज के लिए जाने वाली सड़क पर गड्ढों के कारण लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। यहां लोग अपने परिजन का इलाज कराने आते हैं, लेकिन हादसे के कारण वे खुद घायल हो रहे हैं।

संभागीय मुख्यालय में स्थित मेडिकल कॉलेज तक पहुंचना अब लोगों के लिए बेहद मुश्किल हो गया है। सड़कों पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को इलाज के लिए कॉलेज तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सड़कों पर हुए गड्ढों में गिरकर कई मरीज और उनके परिजन घायल हो चुके हैं, लेकिन अब तक गड्ढों को भरने का कार्य प्रशासन की ओर से नहीं किया गया है।

पिता का इलाज कराने आया, खुद घायल: संदीप प्रजापति ने बताया कि वह अपने पिता को बाइक पर बैठाकर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज ले जा रहा था। मेडिकल कॉलेज से पहले रास्ते में एक बड़े गड्ढे में अचाकन उसकी बाइक का पहिया फंस गया, जिससे वह सड़क पर गिर गया। पिता सुरक्षित बच गए, लेकिन संदीप के सिर में गंभीर चोट आई। स्थानीय लोगों की मदद से संदीप को को अस्पताल पहुंचाया गया। अब पिता के साथ उसका भी इलाज चल रहा है।

मेडिकल कॉलेज जाने के लिए हाईवे से करीब 1 किलोमीटर का मार्ग है, जो पूरी तरह गड्ढों से भरा हुआ है।

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री जबलपुर में सीबीआई का छापा

डीजीएम को हिरासत में लेकर दिल्ली ले गई टीम, नागपुर में करप्शन का आरोप

जबलपुर ■ निसं

दिल्ली से आई सीबीआई की टीम ने जबलपुर में बुधवार रात ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की जीआईएफ (ग्रे आयरन फाउंड्री) में छापा मारा है। छापे में आपत्तिजनक रिकॉर्ड बरामद हुए हैं। कुछ डिजिटल साक्ष्य भी टीम के हाथ लगे हैं। सीबीआई फैक्ट्री में पदस्थ डिप्टी जनरल मैनेजर दीपक लांबा को फैक्ट्री से अपने साथ वाहन में बिठाकर किसी गोपनीय स्थान पर ले गई। यहां उनसे पूछताछ के बाद हिरासत में लेकर दिल्ली ले गई है।

आरोप है कि डीजीएम दीपक लांबा ने महाराष्ट्र में पोस्टिंग के दौरान ठेकेदार के साथ मिलकर बड़ा भ्रष्टाचार किया था। सीबीआई की इस कार्रवाई से ओएफजे (ऑर्डिनेंस फैक्ट्री) समेत अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है।

जहां रहे वहीं भ्रष्टाचार किया

बताया जा रहा है कि जहां-जहां दीपक लांबा पदस्थ रहे, उन्होंने फर्जीवाड़ा किया है। इससे पहले इसी फैक्ट्री में पदस्थ एक और अधिकारी के खिलाफ सीबीआई ने कार्रवाई की थी। मामला नागपुर के अंबाझरी फैक्ट्री में निजी फर्म (आटोमेशन इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रियल सर्विसेज) के ठेके में हुए भ्रष्टाचार से संबंधित है।

जबलपुर से पहले दीपक लांबा अंबाझरी फैक्ट्री में पदस्थ थे। आरोप है कि यहां डीजीएम रहते हुए लांबा ने एक निजी फर्म को ठेके में लाभ पहुंचाया था, जिससे सरकार को लाखों रुपए का नुकसान हुआ था। इस मामले में सीबीआई लगातार जांच कर रही थी।

वाईआईएल के अधिकारी ने की थी शिकायत: नागपुर की यंत्र इंडिया लिमिटेड (वाईआईएल) के डिप्टी चीफ विजिलेंस ऑफिसर डीकेटी गुप्ता ने सीबीआई को एक शिकायत सौंपी थी। जांच के बाद अंबाझरी फैक्ट्री के तत्कालीन डीजीएम दीपक लांबा, ऑटोमेशन इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रियल सर्विसेज और इस फर्म के संचालक मोहित ठोलिया पर 25 अगस्त को एफआईआर दर्ज की गई थी। इसी के बाद 3 सितंबर को छापामार कार्रवाई की गई।

डीजीएम के परिवार के खातों में संदिग्ध लेनदेन: शुरुआती जांच में पता चला है कि दीपक लांबा ने अंबाझरी फैक्ट्री में डीजीएम रहते हुए एक प्रोपराइटरशिप फर्म बनाई थी। ऑटोमेशन इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रियल सर्विसेज नाम की इस फर्म के संचालक मोहित ठोलिया है। मोहित को डीजीएम का चचेरा भाई बताया गया था। निजी फर्म के बैंक खातों की जांच में लांबा और उसके परिवार के बैंक खातों में लेनदेन का पता चला है, जिसमें लांबा, उनकी पत्नी, भाई, बहन और मां शामिल हैं। इनके बीच कई संदिग्ध वित्तीय लेनदेन जांच के दायरे में है।

निजी फर्म को लाभ पहुंचाने बदली शर्तें: सीबीआई की जांच में यह भी सामने आया कि चचेरे भाई की निजी सप्लायर फर्म को ठेका देने के लिए लांबा ने टेंडर की शर्तों में बदलाव किए थे। इन शर्तों को निजी फर्म के अनुकूल बनाया गया था। ठेका प्राप्त करने के लिए फर्म ने जाली अनुभव प्रमाण पत्र लगाए। इनको भी तत्कालीन डीजीएम लांबा ने अनदेखा किया।

रायसेन के नीमखेड़ा में मिला बुजुर्ग महिला का शव

गले पर चोट के निशान, एसपी समेत फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची

रायसेन ■ निसं

रायसेन के भोपाल रोड स्थित नीमखेड़ा में गुरुवार सुबह एक बुजुर्ग महिला का शव उनके घर में मिला। मृतका की पहचान 65 साल की भंवरी बाई मीणा के रूप में हुई है। महिला के गले पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी पंकज कुमार पाण्डेय, सैंडोरा चौकी प्रभारी शैलेंद्र दायमा और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच में डॉग स्क्वॉड की भी मदद ली जा रही है।

पति का पहले ही निधन, तीन बेटियों की हो चुकी शादी: जानकारी के अनुसार, भंवरी बाई अपने घर में अकेली रहती थीं। उनके पति का पहले ही निधन हो चुका था। उनकी तीन बेटियां हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। गुरुवार सुबह परिवार का एक युवक जब महिला के कमरे में पहुंचा, तो उन्हें बेसुध पाया। शरीर में कोई हलचल नहीं थी। युवक ने तुरंत पड़ोसियों और गांव के अन्य लोगों को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस को खबर दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन प्रेस क्लब में गणेश प्रतिमा के दर्शन कर आरती की और पत्रकार साथियों को गणेश उत्सव की शुभकामनाएं दी।

4 माह के बच्चे को जटिल हार्ट सर्जरी से मिली जिंदगी

आरबीएस के कार्यक्रम से हुई साढ़े तीन लाख की फ्री सर्जरी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के बाग मुगलिया क्षेत्र में रहने वाले राजन (परिवर्तित नाम) के घर में आज से लगभग 4 महीने पहले जन्म लिए उनके बेटे ने घर को खुशियों से भर दिया। लेकिन जन्म के लगभग 15- 20 दिन बाद ही उनका बेटा बार-बार बीमार पड़ने लगा। कभी तेज सर्दी खांसी, बुखार तो कभी तेज सांस लेना। सांस लेने में तकलीफ होने पर बच्चों का रात-रात भर जोर-जोर से रोते रहना मां-बाप को लगातार परेशान करने लगा। माता-पिता ने आसपास के डॉक्टर को दिखाया भी, लेकिन इलाज से कोई स्थाई आराम नहीं मिला।

इसी बीच राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का दल बागमुगलिया क्षेत्र की आंगनवाड़ी में बच्चों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पहुंचा। बच्चे के परीक्षण में टीम को ये लगा कि बच्चे को हृदय संबंधी कोई समस्या अवश्य है। उन्होंने माता-पिता को समझाया और जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र आकर बच्चे की विस्तृत जांच के लिए तैयार किया गया। इस केंद्र में आकर और जयप्रकाश जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा बच्चे का परीक्षण कर यह मालूम हुआ कि उसे दिल की जटिल बीमारी है,जिसका जल्द से जल्द ऑपरेशन करवाना बेहद जरूरी है। बच्चे की सर्जरी की त्वरित आवश्यकता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ.मनीष शर्मा द्वारा निशुल्क इलाज की स्वीकृति कर सर्जरी के लिए एसआरसीसी मुंबई भेजा गया।

यातायात व्यवस्था को सुगम एवं अवरूद्ध मुक्त बनाने

कलेक्टर कार्यालय में लोकसभा सांसद आलोक शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक

भोपाल ■ अमृत दर्शन

शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम एवं अवरूद्ध मुक्त बनाने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर कार्यालय के सभागार में माननीय लोकसभा सांसद आलोक शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमें कलेक्टर जिला भोपाल, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय नगरीय पुलिस भोपाल, आयुक्त नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, बिजली विभाग तथा यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए।

बैठक में पिछली बैठक के बिन्दुओं के पालन के संबंध में विभागबार समिक्षा की गई-

लोक निर्माण विभाग द्वारा 3.04 करोड की राषि जो कि कलेक्टर जिला भोपाल द्वारा स्वीकृत की गई है जिससे 13 तिराहा/चैराहा के लेफ्ट टर्न का निर्माण होना है, टेंडर जारी कर दिये गये है।

शहर के 16 ब्लैक स्पॉट वाले चैराहा एवं स्थानों पर किये जाने वाले कार्य के संबंध में डीपीआर लोक निर्माण विभाग / नगर निगम द्वारा तैयार की गई हैं जिसकी राषि शासन स्तर पर स्वीकृत होना है।

शहर में मुख्य लेफ्ट टर्न, ब्लैक स्पॉट तथा यातायात अवरूद्ध करने वाले सड़क पर लगे पोल एवं ट्रान्सफार्मर को हटाने संबंधी नीति तैयार की गई है। इस संबंध में चर्चा हुई। अल्पना तिराहे से भारत टॉकिज के मध्य जलभराव संबंधी डीपीआर तैयार कराई गई उसकी समिक्षा हुई। जिसकी राषि शासन स्तर पर स्वीकृत होना है।

भोपाल शहर में नए सिटी सर्विलेंस कैमरें लगाने, नए स्मार्ट पार्किंग स्पेस विकसित करने, आदि विषयों पर चर्चा की गई तथा विभिन्न उपस्थित विभागों को शहर में यातायात सुव्यवस्थित बनाने के लिए शेष लेफ्ट टर्न निर्माण एवं बिजली पोल हटाने की कार्ययोजना बनाने हेतु निर्देष दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

आबकारी विभाग ने अलग-अलग इलाकों में रेड मारकर पकड़ी देशी-विदेशी शराब

भोपाल। कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देश पर, सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र धाकड़ के मार्गदर्शन और नियंत्रण कक्ष प्रभारी आरजी भदौरिया के नेतृत्व में भोपाल जिले की आबकारी विभाग की पहली टीम ने बीते दिन मुखबिर से मिली सूचना पर बरखेड़ा पठानी में छापामार की। जानकारी के अनुसार टीम ने अवैध रुप से शराब रखने और बेचने की सूचना पर अजय पासवान पिता रामभरोसे पासवान (28) निवासी कृष्णा नगर बरखेड़ा पठानी के घर से विदेशी शराब की 37 बॉटल जप्त की हैड्ढ वही दूसरी टीम ने बरखेड़ा सालम में जीतमल पिता लक्ष्मण सिंह के कब्जे से विदेशी मदिरा और भौरी बायपास से दीपक आत्मज चंद्र सिंह प्रजापति के घर से देशी-विदेशी शराब बरामद कीड्ढ अन्य प्रभावी कार्यवाही में टीम ने रानी कमलापति स्टेशन से 2 सूटकेस में भरी 27 बोतल अग्रेंजी शराब बरामद की।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत

भोपाल। मिसरोद थाना इलाके में स्थित ग्राम समरधा के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की जान चली गई। हालांकि गंभीर रूप से घायल युवक को मौके पर पहुंचे परिजनो और दोस्तों ने इलाज के लिए एम्स अस्पताल पहुंचाया था, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौपं दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक उद्योगपुरी कालोनी मंडीदीप में रहने वाला 19 साल का अखंड प्रताप विश्वकर्मा निजी कालेज से बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। पड़ोस में रहने वाला उसका दोस्त मंथन यादव पुत्र विशाल यादव (20) भी पढ़ाई कर रहा है। मंगलवार रात करीब 9 बजे मंथन यादव के मोबाइल से अखंड को किसी अन्य ने फोन लगाकर बताया की जिस युवक का यह मोबाइल नंबर है, उसका समरधा गांव के पास एक्सीडेंट हो गया है। अखंड प्रताप ने तुंरत ही इसकी सूचना अन्य दोस्तों और मंथन के पिता को दी। इसके बाद वह सभी मौके पर पहुंचे। जहॉ उन्हें मंथन यादव गंभीर रुप से पड़ा मिला, उसके सिर से खून निकल रहा था। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बताया कि उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी। उसे एम्स हॉस्पिटल पहुंचाया गया जहॉ उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुचीं पुलिस ने टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

बस की चपेट में आने से बाइक सवार पिता-पुत्र समेत तीन घायल

भोपाल। देहात क्षेत्र के खजूरी सड़क थाना इलाके में एक तेज रफ्तार बस की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र समेत तीन लोग घायल हो गए। घटना करीब 15 दिन पहले की है, उस समय हाबस चालक ने तीनों घायलो का इलाज कराने की बात कही थ, लेकिन जब उसने इलाज नहीं कराया तब पीड़ित ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज करवाई। मिली जानकारी के अनुसार नजीराबाद का रहने वाला विश्राम अहिरवार (18) रातीबड़ में बारहवीं कक्षा में पढ़ता है। बीती 19 अगस्त को उसके पिता करनसिंह अहिरवार और बड़ा भाई मुकेश अहिरवार बाइक से उसे छोडने के लिए रातीबड़ जा रहे थे। फंदा चौराहा पहुंचने पर एक तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे तीनों चलती बाइक सहित सड़क पर गिरकर घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल पहुंचाया गया उस समय बस चालक ने उनका इलाज कराने का वादा किया। वहीं बाद में गंभीर घायल करन सिंह को लांबाखेड़ा स्थित दूसरे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन बस चालक ने इलाज में कोई मदद नहीं की।

कार की टक्कर से बाइक से अस्पताल जा रहे मॉ-बेटे घायल

भोपाल। कोहेफिजा थाना इलाके में तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार मां-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार लालघाटी कोहेफिजा में रहने वाला योगेश बाली (28) हमीदिया अस्पताल में साफ-सफाई का काम करता है। बीती सुबह करीब 11 बजे वह अपनी मां गीताबाई के साथ बाइक से काम पर हमीदिया अस्पताल जा रहा था। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने पहुंचने पर पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से चलती बाइक सहित सड़क पर गिरकर मां-बेटे घायल हो गए। बाद में घायल की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया।

अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और राहत के लिए हो तत्काल कार्यवाही

जिलों में उर्वरक वितरण में अव्यवस्था के लिए कलेक्टर होगें उत्तरदायी - मुख्यमंत्री

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिलों में उर्वरक वितरण के संबंध में जिला प्रशासन आवश्यक व्यवस्था बनाए। उपलब्ध उर्वरक की उचित वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से निरंतर संवाद और संपर्क में रहे। उर्वरक वितरण की व्यवस्था में किसान संगठन के प्रतिनिधियों को भी जोड़ा जाए। जिलों में यदि उर्वरक वितरण को लेकर अव्यवस्था होती है तो उसके लिए जिला कलेक्टर उत्तरदायी होंगे। राज्य सरकार हर स्थिति में किसानों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों और जिलों में उर्वरक वितरण की स्थिति की बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित अधिकारी उपस्थित थे। सभी जिले के कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारी वर्चुअली जुड़े।

किसानों को जिले में उपलब्ध उर्वरक की वास्तविक स्थिति से निरंतर करावाये अवगत: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों में उर्वरक उपलब्धता की सघन समीक्षा की जाए। साथ ही जिले में उपलब्ध उर्वरक के स्टॉक की जानकारी जनप्रतिनिधियों से भी साझा करें, इससे किसानों को जिले में उर्वरक उपलब्धता की वास्तविक स्थिति से अवगत कराने में मदद मिलेगी। जिला प्रशासन डबल लॉक, पैक्स और निजी विक्रय केंद्रों का आकस्मिक सत्यापन और उनकी मॉनिटरिंग अनिवार्य रूप से करें। अतिरिक्त विक्रय केन्द्र की आवश्यकता होने पर उनका संचालन तत्काल आरंभ किया जाए। कृषि, सहकारी बैंक, विपणन संघ के अधिकारी निरंतर सम्पर्क में रहें।

बाढ़ और अतिवृष्टि की स्थिति में सजग और सक्रिय रहे पुलिस प्रशासन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जिन-जिन क्षेत्रों में भी अतिवृष्टि और बाढ़ से फसलों को क्षति हुई है, वहां राहत के लिए तत्काल कार्रवाई आरंभ की जाए। साथ ही जनहानि और पशु हानि की स्थिति में 24 घंटे में राहत उपलबध कराई जाए। बाढ़ के दौरान अस्थाई कैम्प व्यवस्था, राशन वितरण, भोजन वितरण आदि की त्वरित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सामग्री सभी संभावित स्थानों पर उपलब्ध हो। आगामी दिनों में भी भारी वर्षा की संभावना है।

उर्वरक से संबंधित अवैध गतिविधियों के लिए हुईं 53 एफ.आई.आर और 88 लायसेंस किए निरस्त

बैठक में खरीफ 2025 के लिए यूरिया, डी.ए.पी, एन.पी.के, एस.एस.पी, एम.ओ.पी तथा डी.ए.पी + एन.पी.के की उपलब्धता, ट्रांजिट की स्थिति की जानकारी प्रस्तुत की गई। साथ ही नेनो एवं जैविक उर्वरक वितरण कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बताया गया कि उर्वरक की कालाबाजारी, अवैध भंडारण, अवैध परिवहन और नकली उर्वरक आदि से संबंधित प्रकरणों पर कार्यवाही करते हुए 53 एफ.आई.आर दर्ज की गई और 88 लायसेंस निरस्ती, 102 लायसेंस निलंबन सहित 406 विक्रय प्रतिबंधित की कार्यवाही की गई।

उर्वरक की बेहतर वितरण व्यवस्था में हुए नवाचारों का करें अनुसरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उर्वरक वितरण व्यवस्था के संबंध में धार, दमोह, जबलपुर और रीवा जिले के कलेक्टरों से चर्चा की। दमोह कलेक्टर ने बताया कि किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से सतत् सम्पर्क और संवाद सुनिश्चित करते हुए वितरण व्यवस्था में उनका सहयोग लिया जा रहा है। साथ ही टोकन वितरण और उर्वरक वितरण को अलग-अलग किया गया है। टोकन तहसील कार्यालय से बांटे जा रहे हैं और वितरण विक्रय केन्द्रों से किया जा रहा है। जबलपुर कलेक्टर ने बताया कि किसानों के लिए टोकन वितरण की व्यवस्था फोन कॉल द्वारा सुनिश्चित की जा रही है। उर्वरक वितरण केन्द्रों पर डिस्पले बोर्ड लगाए गए हैं। बोर्ड न पर टोकन नंबर प्रदर्शित कर उर्वरक वितरण किया जा रहा है। डिस्पले बोर्ड पर जिले में उपलब्ध उर्वरकों की मात्रा भी प्रदर्शित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्य जिलों को भी इस प्रकार के नवाचार अपनाने के निर्देश दिए।

निगम अमले ने हटाए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमण

गुमठी, ठेले, काउंटर, स्टैण्ड बोर्ड, स्टूल आदि किये जप्त

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व अन्य सार्वजनिक स्थलों से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी क्रम में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही करते हुए सड़कों, फुटपाथों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाया साथ ही अवैध रूप से लगाई गई चाय, सब्जी, कबाड़े आदि की दुकानों को हटवाया साथ ही आवागमन में बाधक चार पहिया वाहन व सड़क पर पड़ा बिल्डिंग मटेरियल भी हटवाया और गुमठी, ठेले, काउंटर, स्टैण्ड बोर्ड, स्टूल, कैरेड, पन्नी, तिरपाल आदि जप्त किए।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने बुधवार को ओल्ड केम्पियन स्कूल, अरेरा कालोनी नेशनल हास्पिटल, एम.पी.नगर, सरगम टॉकीज, जवाहर चैक, लिंक रोड नं. 01,02 व 03, न्यू मार्केट, रंगमहल, बागमुगालिया, रामेश्वर कालोनी, ओम नगर चैराहा, कोलार रोड, हनुमान मंदिर, जेके हास्पिटल, भारतमाता चैराहा, भदभदा रोड, सूरज नगर, सैर सपाटा, नीलबढ़, अयोध्या बायापा, जेके रोड, कमला पार्क, बोट क्लब, रॉयल मार्केट, डीआईजी बंगला, करोद चैराहा, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, विश्वकर्मा नगर आदि क्षेत्रों में सड़कों, फुटपाथों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर लगाये गये टपरे, चाय, सब्जी, कबाड़े की दुकान व अनेक स्थानों पर बड़ी संख्या में लगाये गये ठेले, काउंटर व दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाया साथ ही डीआईजी बंगला क्षेत्र में आवागमन में बाधक 01 चार पहिया वाहन, अयोध्या नगर से बिल्डिंग मटेरियल को भी हटाने की कार्यवाही की।

जेल प्रबंधन और ओपन बोर्ड के बीच चल रही है चर्चा

कैदी जेल से कर सकेंगे 10वीं और 12वीं

भोपाल ■ अमृत दर्शन

जेल की ऊंची दीवारों और सख्त पहरे के बीच अब बदलाव की नई इबारत लिखी जा रही है। ग्वालियर सेंट्रल जेल, जो कभी केवल सजा काटने का ठिकाना मानी जाती थी, अब कैदियों के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता का केंद्र बन गई है। अब तक जेल में कैदियों को स्नातक-स्नातकोत्तर की डिग्री और डिप्लोमा करवाया जा रहा था लेकिन अब कैदी जेल से दसवीं और बारहवीं की पढ़ाई भी कर सकेंगे।

दरअसल, हर कैदी स्नातक-स्नातकोत्तर की डिग्री डप्लोमा जेल में नहीं कर पा रहा है। इसके पीछे कारण है कि वह 12वीं उत्तीर्ण नहीं है। इस समस्या को ध्यान में रखकर जेल प्रबंधन अब जेल में दसवीं और बारहवीं की परीक्षाएं करवाने की तैयारी कर रहा है। इसको लेकर जेल प्रबंधन और ओपन बोर्ड के बीच संवाद और पत्राचार भी लगातार चल रहा है। शीघ्र की जेल में सजा काट रहे कैदी दसवीं और बारहवीं की पढ़ाई भी जेल से कर सकेंगे।

277 कैदी कर रहे डिग्री और डिप्लोमा: जीवाजी विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षण संस्थान और भोज विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने इस योजना से जुड़कर कैदियों को शिक्षा और कौशल विकास का अवसर दिया है। यहां कुछ कैदी पत्रकारिता की बारीकियां सीख रहे हैं, तो कुछ फैशन डिजाइनिंग में हाथ आजमा रहे हैं। वहीं कई कैदी औषधीय पौधों की खेती सहित अन्य कोर्स भी कर रहे हैं। वर्तमान में 277 कैदी ऐसे हैं जो यहां से अपनी उच्च शिक्षा पूरी कर रहे हैं। यह कैदी बीए, बीकाम, एमकाम, एमए जैसे पाठ्यक्रमों के साथ-साथ पत्रकारिता, फैशन डिजाइनिंग, जीएसटी, औषधीय खेती, फलित ज्योतिष और वैदिक गणित जैसे विशेष कोर्स भी कर रहे हैं।

परंपरा से आधुनिकता तक पहुंची पढ़ाई

पहले जेलों में कैदियों को बढ़ईगीरी, लोहारगिरी और मिस्त्री जैसे पारंपरिक कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाता था। पर अब वक्त बदल रहा है। कैदियों को केवल पुराने हुनर तक सीमित नहीं रखा जा रहा, बल्कि आधुनिक कौशलों जैसे कंप्यूटर शिक्षा, पत्रकारिता, संगीत, फैशन डिजाइनिंग और हस्तशिल्प से भी जोड़ा जा रहा है। ग्वालियर सेंट्रल जेल का यह प्रयास इस बात का सबूत है कि कैदी सिर्फ अपनी सजा काटने के लिए नहीं, बल्कि अपनी जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए भी जेल में हैं।

भोज और इग्नू के सेंटर भी पढ़ा रहे: सिर्फ जेयू ही नहीं, बल्कि भोज यूनिवर्सिटी और इग्नू भी कैदियों की पढ़ाई में सहायक बन रही हैं। भोज यूनिवर्सिटी से कई कैदी बीए, एमए और डीसीए जैसे कोर्स कर रहे हैं, वहीं इग्नू के केंद्र से भी कैदी पढ़ाई कर रहे हैं। इस पहल में लगभग 212 पुरुष और 65 महिला कैदी शामिल हैं।

पति ने खुद को बिजनेसमैन बताकर दो महिलाओं से शादी का वादा कर किया रेप

भोपाल। बागसेवनिया थाना इलाके में खुद को तलाकशुदा बताने वाले शातिर कारोबारी ने पहले तो शादी डॉट कॉम पर अपनी प्रोफाइल पोस्ट की। इसके बाद पांच महीने के भीतर दो महिलाएं उसके संपर्क में आईं। आरोपी ने उन दोनों महिलाओं को शादी का झांसा देकर न केवल उन दोनो के साथ दुष्कर्म किया बल्कि कारोबार में निवेश के नाम पर दोनों महिलाओं से 40 लाख और 45 लाख रुपए भी लेकर हड़प लिए। कई महीनो तक शारीरिक शोषण करने के बाद आरोपी ने दोनों महिलाओं को शादी करने से मना कर दिया। बाद में सामने आया की आरोपी की साजिश में उसके साथ ही उसकी पत्नी भी शामिल थी। आरोपी ने अपनी पत्नि को मॉ बताकर पीड़िताओ से मिलवाया था, घर में शारीरिक संबध बनाते समय उसकी पत्नि ने अशलील वीडियो बना लिये और वीडियो वायरल कर बदनाम करने की धमकी देकर शादी करने से इंकार कर दिया।

मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में नये सपनों की उड़ान

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी एवं पटेल ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनसे कार्यक्रम का माहौल उल्लासमय बन गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे डॉ. संजय कुमार जैन, चेयरमैन एमपी फ़ार्मेसी काउंसिल, भोपाल उपस्थित रहे। यूनिवर्सिटी कि कुलाधिपति श्रीमती प्रीति पटेल एवं प्रो-चांसलर डॉ. अजीत सिंह पटेल ने विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया और उन्हें जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

अपने उद्बोधन में कुलाधिपति श्रीमती प्रीति पटेल ने विद्यार्थियों से कहा कि अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच ही उन्हें ऊँचाइयों तक ले जाएगी। वहीं, अन्य अतिथियों ने भी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के महत्व और उज्ज्वल भविष्य के लिए सतत प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी।

अतिथियों ने यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि यहाँ के विद्यार्थी न केवल अपने करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे। यूनिवर्सिटी में छात्रों के लिए कई अतिरिक्त गतिविधियाँ चलती हैं। प्लेसमेंट के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम होते हैं, उद्योग से जुड़े ट्रेनिंग सेशन के साथ साथ प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग भी होती है, उच्च शिक्षित फैकल्टी मेंबर जो छात्रों के भविष्य को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यूनिवर्सिटी में आधुनिक प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब हैं एवं शोध के लिए विशेष सुविधाएँ उपलब्ध हैं जो छात्रों के विकास में सहायक होती हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के जन्मदिवस को सेवा प्रकल्प के रूप में मनाया-रविन्द्र यति

बच्चों को खिलौने एवं सेवाकर्मियों को वितरित किए छाते

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भारतीय जनता पार्टी के भोपाल जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने बुधवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल के जन्मदिवस को सेवा प्रकल्प के रूप में मनाया। श्री यति ने युवा मोर्चा पदाधिकारियों के साथ पौधारोपण भी किया।

भोपाल जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल के जन्मदिवस के अवसर पर मैदा मिल स्थित मातृछाया शिशु कल्याण केंद्र पहुँचकर नवजात बच्चों को खिलौनें और मातृ छाया की सेवाकर्मी बहनों को छाते भी वितरित किए।

इस अवसर पर मातृछाया प्रबंधक गणेश, जिला उपाध्यक्ष मनोज राठौर, सूर्यकांत गुप्ता, शंकर मकोरिया, राजेंद्र गुप्ता, राजकुमार विश्वकर्मा, अश्विनी राय, रवि शर्मा, शैलेंद्र शुक्ला, कुलदीप खरे, डॉ योगेंद्र मुखरैया, श्रीमती सुषमा बाबिसा, देवेंद्र योगी, राजेश हिंगोरानी, युवा मोर्चा अध्यक्ष, अजय पाटीदार अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष हरिओम ओसारी, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष शक्ति राव, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष गीता माली, महिला मोर्चा अध्यक्ष, श्रीमती वंदना जाचक, किसान मोर्चा अध्यक्ष राजेश सिंह व जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भारतीय जनता युवा मोर्चा भोपाल द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के राष्ट्रव्यापी अभियान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया।

अनमोल वचन

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे की सोचो क्योंकि विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है ।
धीरुभाई अम्बानी

मैं कर सकता हूँ, यह विश्वाश है। केवल मैं ही कर सकता हूँ, यह अंधविश्वास है ।
अज्ञात

सम्पादकीय

प्राकृतिक आपदाएँ: विकास के नाम पर विनाश?

पिछले एक वर्ष में भारत सहित पूरी दुनिया के देशों में प्राकृतिक आपदाओं के कई भयावह दृश्य देखने में आये हैं। कभी बेमौसम बारिश और बाढ़ ने हजारों जिंदगियाँ लील लीं, तो कभी भूकंप और भू-स्खलन ने पलभर में बस्तियों को उजाड़ दिया। गांव के गांव जमीदोज हो गए। जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित विकास की नीतियाँ ने इन आपदाओं की तीव्रता को और बढ़ा दिया है। आँकड़े बताते हैं कि पिछले 1 वर्ष में भारत में बाढ़, चक्रवात और हीटवेव से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। हजारों लोग मारे गए हैं, हजारों करोड़ रुपयों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। उत्तराखंड, हिमाचल और उत्तर-पूर्व के पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन की घटनाएँ तेजी के साथ बढ़ रही हैं। हिमालय की पहाड़ियों को काटकर बनाई जा रही सड़कों और सुरंगों से न केवल प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है, बल्कि इस क्षेत्र में रहने वाली स्थानीय आबादी का जीवन भी संकट में पड़ गया है। केदारनाथ आपदा की स्मृति अब भी ताजा है, फिर भी चारधाम परियोजना जैसे विकास कार्य प्रकृति के सौंदर्य एवं संवेदन शीलता को दरकिनार कर विनाश की ओर बढ़ रहे हैं। इसी तरह, महानगरों में बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। शहरों में सीवर लाइन, नालों, तालाबों और जल निकासी के स्थान पर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। जिसके कारण थोड़ी सी बारिश में शहर जलमग्न हो जाते हैं। भारत के शहरों की हालत बहुत खराब हो गई है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद जैसे मेट्रोपोलियन सिटी एवं बड़े-बड़े शहरों में जल निकासी सही नहीं होने के कारण जल प्लावन से पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। बारिश का पानी जमीन के अंदर नहीं जा पता है, जिसके कारण भूमिगत जल का स्तर लगातार नीचे की ओर जा रहा है। बीते वर्ष में चक्रवात मोचा और मिधुन ने पूर्वी और पश्चिमी तटों पर भारी तबाही मचाई। लाखों लोग विस्थापित हुए, कृषि पर गहरा असर पड़ा, फसलें बड़ी मात्रा में खराब हुईं। वहीं मौसम में भीषण गर्मी और सूखे ने मध्य और दक्षिण भारत में पानी की कमी के संकट को बढ़ा दिया है। वैज्ञानिक विगत कई वर्षों से लगातार चेतावनी दे रहे हैं, प्रकृति के साथ यदि छेड़छाड़ इसी तरह से जारी रही, तो आने वाले वर्षों में ऐसी भीषण आपदाएँ और तेज गति से बढ़ेंगी। यदि हमने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन साधने का प्रयास गंभीरता के साथ नहीं किया तो वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ी को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। किसी भी तरह से इसकी भरपाई करना संभव नहीं होगी। विकास का अर्थ केवल चौड़ी सड़कों, ऊँची इमारतों और औद्योगिक परियोजनाओं के लिए नहीं होना चाहिए। सच्चा विकास वही है, जो मानव जीवन की सुरक्षा, प्रकृति के संरक्षण को साथ लेकर चले। तभी मानवीय सभ्यता और प्रकृति का विकास संभव है। इसी तरह, महानगरों में बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। शहरों में सीवर लाइन, नालों, तालाबों और जल निकासी के स्थान पर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। जिसके कारण थोड़ी सी बारिश में शहर जलमग्न हो जाते हैं। भारत के शहरों की हालत बहुत खराब हो गई है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद जैसे मेट्रोपोलियन सिटी एवं बड़े-बड़े शहरों में जल निकासी सही नहीं होने के कारण जल प्लावन से पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। आपदाओं से होने वाली जन-धन की जो हानि हुई है वह विकास की तुलना में कई गुना ज्यादा है। जो हमें यह सोचने पर मजबूर करती है। कहीं हम विकास की आड़ में स्वयं विनाश की ओर तो नहीं बढ़ रहे हैं? आवश्यक है, सरकारें दीर्घकालिक पर्यावरणीय नीतियाँ बनाएं और उनका कठोरता से पालन करें। स्थानीय स्तर पर आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाएं ताकि आपदा के समय लोगों के जान-माल की, रक्षा की जा सके। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और पारिस्थितिक क्षेत्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमें समझना होगा कि प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, बल्कि सामंजस्य से ही मानव जीवन और प्रकृति के सभी जीवों का अस्तित्व सुरक्षित रह सकता है। प्राकृतिक आपदाओं से मिली चेतावनी से स्पष्ट है, यदि हमने संतुलित विकास का रास्ता नहीं चुना तो आने वाली पीढ़ियों को और भी बड़े संकट का सामना करना पड़ेगा। भारत ही नहीं, दुनिया के सभी देशों में विकास के नाम पर जिस तरह से स्वयं के विनाश को आमंत्रित कर रहे हैं, प्राकृतिक आपदाएं एक सबक की तरह हैं। ब्रह्मांड की कोई सीमा नहीं है। देशों की सीमा हो सकती है। पर्यावरण को लेकर यदि सारी दुनिया के देश इसी तरह की मनमानी करते रहे तो वह दिन दूर नहीं है जब हम स्वयं बहुत बड़े विनाश की ओर आगे बढ़ चुके होंगे, जहां से पीछे लौटना भी संभव नहीं होगा। ठंड, गर्मी, बरसात, भूकंप, भूस्खलन, ज्वालामुखियों का सक्रिय होना, तूफान, खनिज संपदा का उत्खनन, हीटवेव इत्यादि के कारण पूरी दुनिया के देशों में प्राकृतिक आपदायें तेजी के साथ बढ़ रही हैं। समय रहते इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही आकषर्ण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है। उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकषर्ण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा से भारत को क्या हासिल हुआ?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यह यात्रा उस समय हुई है जब भारत-चीन के बीच सीमा पर भरोसे का संकट गहरा है, भारत-अमेरिका संबंध का एक नया पन्ना सामने है और रूस के साथ भारत का ऊर्जा तथा रक्षा सहयोग अभूतपूर्व स्तर तक पहुँचा है। ऐसे परिदृश्य में बीजिंग की धरती पर भारतीय प्रधानमंत्री का उतरना एशियाई राजनीति के बदलते समीकरणों की झलक देता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया चीन यात्रा को केवल औपचारिक शिखर सम्मेलन में उपस्थिति मान लेना भूल होगी। यह यात्रा उस समय हुई है जब भारत-चीन के बीच सीमा पर भरोसे का संकट गहरा है, भारत-अमेरिका संबंध का एक नया पन्ना सामने है और रूस के साथ भारत का ऊर्जा तथा रक्षा सहयोग अभूतपूर्व स्तर तक पहुँचा है। ऐसे परिदृश्य में बीजिंग की धरती पर भारतीय प्रधानमंत्री का उतरना एशियाई राजनीति के बदलते समीकरणों की झलक देता है। यह यात्रा भारत की विदेश नीति में आत्मविश्वास और संतुलन दोनों का प्रमाण है।

व्यापारिक आँकड़े साफ कहते हैं कि चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, लेकिन यह रिश्ता बेहद असंतुलित है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और चीन का द्विपक्षीय व्यापार 127.7 अरब डॉलर तक पहुँचा। इसमें भारत का निर्यात केवल 14.25 अरब डॉलर का रहा, जबकि चीन से आयात 113.45 अरब डॉलर पर पहुँच गया। परिणामस्वरूप व्यापार घाटा 99 अरब डॉलर से अधिक का रहा, जो अब तक का सबसे ऊँचा स्तर है। यह स्थिति भारत की औद्योगिक निर्भरता को उजागर करती है, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन, फार्मा और ऊर्जा उपकरणों के क्षेत्र में। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा का एक बड़ा उद्देश्य इसी असंतुलन को कम करता हुआ दिखा है।

इस तुलना में रूस के साथ भारत का व्यापारिक समीकरण अपेक्षाकृत संतुलित और अवसरों से भरा हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-रूस व्यापार 68.7 अरब डॉलर तक पहुँच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना वृद्धि दर्शा रहा है। इसका मुख्य कारण रूस से बड़े पैमाने पर सस्ते कच्चे तेल का आयात है।

ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में यह सहयोग भारत के लिए अनिवार्य हो गया है। साथ ही, रूस भारत का पारंपरिक रक्षा सहयोगी है और अंतरिक्ष विज्ञान में भी दोनों देशों की साझेदारी मजबूत है। यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने रिश्ते को बरकरार रखा है। मोदी की चीन यात्रा से यह संदेश भी गया कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत पर अडिग है और किसी एक ध्रुव पर झुकने को तैयार नहीं, फिर अमेरिका उस पर कितने ही दबाव बनाने का प्रयास करे।

हालांकि ऐसा नहीं है कि जो अमेरिका भारत पर लगातार आर्थिक दबाव बनाने की कोशिशें कर रहा है, उसके साथ भारत के व्यांपारिक संबंध कमजोर पड़े हैं, देखा जाए तो लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-अमेरिका का व्यापार 131.8 अरब डॉलर पर रहा। यह आँकड़ा न केवल चीन से अधिक है बल्कि यह भी दिखाता है कि तकनीकी, सेवा और विनिर्माण क्षेत्र में अमेरिका भारत के लिए सबसे भरोसेमंद बाज़ार है। संभावित मुक्त व्यापार समझौते और रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग इस रिश्ते को और गहरा करने वाले हैं। इस पृष्ठभूमि में मोदी की बीजिंग यात्रा को अमेरिका भी बारीकी से देख रहा है, उसका अध्ययन कर रहा है, तुलनात्म क रूप से अपने नफा-नुकसान का आकलन कर रहा है। पर यहां जो स्पीष्टस संकेत विदेश नीति के स्तयर पर दिया गया है वह यही है कि भारत, चीन और रूस के साथ संवाद कायम रखते हुए भी अमेरिका और यूरोप से दूरी नहीं बना रहा।

बीजिंग यात्रा का कूटनीतिक संदेश यही है कि भारत वैश्विक शक्ति संतुलन में संतुलनकारी की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत में यह सहमति बनी कि सीमा विवाद को रिश्तों की प्रगति में बाधा नहीं बनने दिया जाएगा। अब यह भले ही एक सामान्य-सा बयान लगे, किंतु इस सच को नकारा नहीं जा सकता है कि गलवान संघर्ष और लद्दाख में जारी तनातनी के बाद यह पहला अवसर रहा, जब शीर्ष नेतृत्व ने इतने स्पष्ट शब्दों में संवाद को प्राथमिकता दी। यात्राओं की बहाली, उड़ानों और वीजा में रियायतें तथा निवेश सहयोग पर चर्चा ऐसे संकेत हैं जो रिश्तों में जमी बर्फ को पिघलाने का प्रयास करते हैं।

फिर भी इस यात्रा की सीमाएँ भी हैं। विपक्ष का उठाया गया सवाल मायने रखता है कि व्यापार घाटे का बोझ घटाने की ठोस योजना सामने आए बिना बीजिंग से लौटे वादे केवल प्रतीकात्मक रह सकते हैं। चीन-पाकिस्तान गठजोड़, बेल्ट एंड रोड परियोजना पर मतभेद और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की भू-राजनीति ऐसी चुनौतियाँ हैं जिन्हें केवल संवाद से नहीं सुलझाया जा सकता। भारत को आने वाले वर्षों में तीन मोर्चों पर खास ध्यान देने की आवश्यीकता है; पहला, चीन पर अपनी औद्योगिक निर्भरता को घटाना; दूसरा, रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग को दीर्घकालीन ढाँचे में ढालना और तीसरा, अमेरिका व यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाना, ताकि निर्यात के नए अवसर मिल सकें।

मोदी की चीन यात्रा से सबसे बड़ा संदेश यही गया कि भारत अब प्रतिक्रियाशील शक्ति नहीं रहा। वह वैश्विक राजनीति और व्यापार में सक्रिय और आत्मविश्वासी ध्रुव के रूप में उभर रहा है। यह यात्रा इस तथ्य को पुष्ट करती है कि भारत की विदेश नीति अब केवल किसी एक गुट पर निर्भर नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलन साधने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उसके लिए अपने नागरिकों के हित सर्वोपरि हैं। देश की सुरक्षा और संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा, और ये शक्तिक शाली भारत न रुकेगा न किसी अन्य देश के सामने झुकेगा।

फिलहाल इस यात्रा के ठोस नतीजे सामने आने में हमें इंतजार करना होगा, क्योंकि समय लगेगा लेकिन इसका प्रतीकात्मक महत्व कम नहीं है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि उस राष्ट्र की बन रही है जो अपने हितों को साधते हुए संवाद और सहयोग की राह खुली रखता है। एशिया की राजनीति में यही संतुलनकारी भूमिका भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर आज उभर रही है।

जंक फूड को ना, पोषण को कहें हां

योगेश कुमार गोयल

भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2025 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'बेहतर जीवन के लिए सही भोजन करें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने की आदतों के महत्व पर जोर देता है।

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक से सात सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2025 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'बेहतर जीवन के लिए सही भोजन करें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने की आदतों के महत्व पर जोर देता है। दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है।

पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से एक से सात सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है।

पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का कार्य करता हैं। अच्छे पोषण का उत्पादकता, आर्थिक विकास तथा अंततः राष्ट्रीय विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है और अच्छा पोषण लोगों को स्वस्थ बनाए रखते हुए स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण भी करता है। इसीलिए नियमित शारीरिक गतिविधियों के साथ अच्छे पोषण को अच्छे स्वास्थ्य की आधारशिला माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पोषण का संबंध शरीर की आवश्यकतानुसार आहार के सेवन को माना गया है और कुपोषण को अपर्याप्त या असंतुलित आहार द्वारा खराब पोषण के रूप में परिभाषित किया गया है।

अच्छे पोषण से स्वस्थ बच्चे बेहतर तरीके से सीखते हैं लेकिन आज के दूषित खानपान और फास्टफूड वाली जीवनशैली में कुपोषण खासकर विकासशील देशों की प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। एक अनुमान के अनुसार दुनियाभर में एक तिहाई से भी ज्यादा बच्चों की मृत्यु में कुपोषण का बड़ा योगदान है और पूरी दुनिया में हर तीन कुपोषित बच्चों में से एक भारत में है। भारत को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिए 8 मार्च 2018 को पोषण अभियान भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य खासतौर से 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में सुधार करना था और वर्ष 2022 के अंत तक देश से कुपोषण खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन पोषण अभियान फंड के इस्तेमाल में जिस तरह की उदासीनता देखी जाती रही है, उसे देखते हुए यह लक्ष्य हासिल करना अभी दूर की कौड़ी प्रतीत होता है। नीति आयोग की चौथी प्रगति रिपोर्ट से खुलासा हुआ था कि देश के 23 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों ने तो इस मद में आधे से भी कम फंड का इस्तेमाल किया। यदि हम वाकई देश को कुपोषण मुक्त राष्ट्र का दर्जा देना चाहते हैं तो उदासीनता की इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना होगा। हमारे भोजन में रंग और खुशबू देने वाले रासायनिक पदार्थ जैसे कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं, जो पोषक तत्व नहीं होते लेकिन कार्बोज, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज लवण, पानी इत्यादि प्रमुख पोषण तत्व हैं। यदि ये पोषण तत्व हमारे भोजन में उचित मात्रा में विद्यमान न हों, तो हमारा शरीर अस्वस्थ हो जाएगा। भोजन के वे सभी तत्व, जो शरीर में आवश्यक कार्य करते हैं, पोषण तत्व कहलाते हैं। ये आवश्यक तत्व जब हमारे शरीर की आवश्यकतानुसार सही अनुपात में उपस्थित होते हैं।

खास बात

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में होगा चमत्कार?

उपराष्ट्रपति पद के लिए सत्ता पक्ष ने महाराष्ट्र के राज्यपाल को चुनाव मैदान में उतारा है ।वह तमिलनाडु के निवासी हैं। इंडिया गठबंधन ने आंध्र प्रदेश निवासी पूर्व जज सुदर्शन रेड्डी को चुनाव मैदान में उतारा है। राजनीति में जिस तरह से तूफान आया हुआ है। उपराष्ट्रपति के चुनाव में दक्षिण वर्सेस दक्षिण के साथ-साथ अब उत्तर भारत का भी तड़का लग गया है। ग्रह नक्षत्र दिशा बदल रहे हैं। ज्योतिषी कह रहे हैं, मतदान के पहले चंद्रग्रहण पड़ रहा है। इसका असर उपराष्ट्रपति के चुनाव में हर हालत में देखने को मिलेगा। उपराष्ट्रपति के चुनाव में क्रॉस वोटिंग होगी। इसको लेकर राजधानी में अटकलों का बाजार गर्म है।

हाथी अपनी चाल चलता है, कुत्ते भोंकते रहते हैं

अमेरिका के साथ भारत के संबंध स्वतंत्रता के बाद से सबसे खराब स्थिति में पहुंच गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के साथ मोदी की कट्टी हो गई है। अमेरिका से निपटने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन पहुंचे हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अब मोदी की दोस्ती हो गई है ।गोदी मीडिया ने अमेरिका को एक नया संदेश दिया है। भारत अपनी चाल से बढ़ता जा रहा है ।भारत को कोई नहीं रोक पाएगा। किसी ने यह भी कह दिया, हाथी अपनी चाल चलता है ।कुत्ते भोंकते रहते हैं, कुत्ते के भौंकने से हाथी को कोई फर्क नहीं पड़ता है।

राहुल की वोट अधिकार यात्रा देश दुनिया में चर्चित

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार में तेजस्वी यादव के साथ मिलकर वोट अधिकार यात्रा निकाली ।24 जिलों से यह यात्रा गुजरकर, पटना के गांधी मैदान में 1 सितंबर को समाप्त होगी। इस यात्रा में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री, तेलंगाना के मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश से अखिलेश यादव, कम्युनिस्ट पार्टी के नेता, तथा टीएससी अपने प्रतिनिधियों को भेज रही है। 15 दिन की इस यात्रा में जिस तरह की भीड़ उमड़ी है। उसने जयप्रकाश आंदोलन की याद ताजा कर दी है। यात्रा की चर्चा विदेश में भी हो रही है ।राहुल गांधी एक ही झटके में अंतरराष्ट्रीय नेता बन गए हैं। राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दल भी उनके नेतृत्वशीलता को स्वीकार करने लगे हैं। जब समय अच्छा आता है, तब सब कुछ अच्छा-अच्छा होता है। जब समय खराब होता है,अच्छा भी खराब हो जाता है।

7 साल बाद मोदी, चीन पहुंचे

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 साल के बाद चीन की यात्रा पर गए हैं। कोरोना वायरस की महामारी फैलने के बाद मोदी चीन जाकर शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भाग ले रहे हैं। ट्रम्प ने मोदी जी को बहुत बड़ा धोखा दिया है। इसके मुकाबले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान की जो अप्रत्यक्ष मदद की थी। उसे दर किनार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन जाना सही समझा। मोदी की चीन यात्रा को लेकर भारत में तरह-तरह की प्रतिक्रिया हो रही है। इसके अलावा मोदी के पास कोई विकल्प भी नहीं बचा था ।मजबूरी का नाम महात्मा गांधी है। इसलिए चीन से हाथ मिला लिया।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, भाद्रपद शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, द्वादशी, गुरुवासरे, उ.षा. नक्षत्रे, आद्र योगे, वलकरणे, धनु की चंद्रमा, मकर की चंद्रमा, श्रावण द्वादशी, वामन जयंती, लघु वृक्षा रोपण व्यापार धान्य छेदन मुर्हूत तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, शिक्षक-शिक्षाविद, शिक्षा शास्त्री, उत्तम वृत्ति वाला, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, राजनेता, विधायक, राज्यमंत्री, उत्तम व्यापारी, धर्मशील-कर्मशील, मठ-मंदिर बनवाने वाला, योगी-भोगी होवेगा।

मेष राशि- व्यवसायिक क्षमता अनुकूल है, किसी तनाव में विवाद ग्रस्त, आय अवश्य होगी।

वृष राशि- स्त्री वर्ग से हर्ष उल्लास, भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति तथा कार्य संतोषप्रद रहेगा ध्यान रखें।

मिथुन राशि- सामाजिक कार्यो में मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, कार्यकुशलता से संतोष होगा।

कर्क राशि- कार्य कुशलता से संतोष एवं नवीन योजना फलनप्रद हो, रुके कार्य बन जायेंगे।

सिंह राशि- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि किन्तु अधिकारियों की उपेक्षा से कार्य हानि अवश्य होगी।

कन्या राशि- दैनिक कार्यों में सुधार, तत्परता से रुके कार्य निपटा ही लेवें, चिंता मुक्त होंगे।

तुला राशि- तनाव, अशांति, कष्ट ग्रस्त होने से बचें, रुके कार्य निपटा लेवें कार्य बनेंगे।

वृश्चिक राशि- स्त्री शरीर सुख, मनोबल-उत्साह वर्धक होने से विरोध होगा, ध्यान अवश्य रखें।

धनु राशि- स्वभाव में उद्विघ्नता, क्लेश, मन अशान्त से बचें, कार्य अवरोध अवश्य होगा।

मकर राशि- सफलता के साधन जुटायें, मनोबल उत्साह वर्धक होगा, समय का ध्यान रखें।

कुंभ राशि- विशेष कार्य स्थगित रखें, मानसिक विभ्रम व उद्विघ्ंता से आप अवश्य बचेंगे।

मीन राशि- किसी तनाव व क्लेश से बचें, मानसिक उद्विघ्नता बनेगी तथा परेशानी होगी।

पीएल गौतमाचार्य

मंदारगिरी पर्वत की रोचक यात्रा

विनोद कुमार सिंह

हजारों वर्ष पूर्व भगवान महावीर ने संपूर्ण संसार को शांति, मैत्री और मानवता का उपदेश दिया। उन्होंने अहिंसा परमो धर्म का शाश्वत संदेश दिया-जो आज भी संसार के लिए प्रासंगिक है।

धन्य -धन्य है वह धरा ,जहाँ अनगिनत संत-महापुरुष,ऋषि-मुनि और स्वयं भगवान के अवतार राम,कृष्ण,कबीर, तुलसी, नानक,बुद्ध और महावीर अवतरित होकर संपूर्ण सृष्टि और मानवता के कल्याण हेतु अमूल्य संदेश देते आए हैं। आज इसी कारण भारत को विविधता में एकता का प्रतीक माना जाता है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम,सिख,ईसाई आदि सभी धर्मों के लोग भाईचारे के साथ शताब्दियों से एक साथ रहते आए हैं। इन्हीं संत परंपराओं में हजारों वर्ष पूर्व भगवान महावीर ने संपूर्ण संसार को शांति,मैत्री और मानवता का उपदेश दिया। उन्होंने 卐अहिंसा परमो धर्म卐 का शाश्वत संदेश दिया-जो आज भी संसार के लिए प्रासंगिक है। विगत दिनों मुझे रेलवे बोर्ड के दिलीप कुमार,ई.आई.डी.पी. के कुशल नेतृत्व में नेशनल मीडिया टीम के सदस्य के रूप में तीन दिवसीय यात्रा पर आईटी नगर,बेंगलुरु जाने का स्वर्णिम अवसर मिला। संयोग से यह यात्रा सावन पूर्णिमा,रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आरंभ हुई। बारिश के बीच हम दिल्ली एयरपोर्ट पहुँचे और हवाई मार्ग से बेंगलुरु पहुँचे तो शाम हो चुकी थी। वहाँ रेलवे के स्थानीय पीआर टीम ने हमारा हार्दिक स्वागत किया और कारों के काफिले में हमें गंतव्य तक पहुँचाया। रास्ते में हमने दक्षिण भारतीय व्यंजनों और स्पेशल कॉफी का आनंद लिया। अगले दिन के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए जल्दी विश्राम किया। अगली सुबह प्रधानमंत्री द्वारा तीन वंदे भारत एक्सप्रेस और मेट्रो परियोजनाओं के उद्घाटन का मीडिया कवरेज किया। थकान के बावजूद हमारे टीम कुशल व कुशाग्र कप्तान दिलीप सर ने मुस्कुराते हुए कहा -आप सभी अभी से थक गए?अभी तो हमें दर्शनीय स्थलों का आनंद लेना है। हम सभी तैयार हो गए और कारवाँ एक रमणीय स्थल की ओर बढ़ा। रास्ते में हमने सुंदर मंदिरों,प्राचीन शिल्पकृतियों और जीवंत कला कतियों की आकृति को पत्थरों में देखा। वहाँ से हम मंदारगिरी पर्वत की ओर बढ़े। रास्ते में मैंने दिलीप सर से पूछा- हमारे ऋषि-मुनि,संत और देवी-देवता हमेशा कठिन पर्वतों और कंदराओं को अपनी तपोस्थली क्यों बनाते थे? सर मुस्कुराए और बोले -ताकि हम जैसे लोग उनकी साधना में व्यवधान न डालें। जब हम कठिनाई सहकर ऐसे स्थानों तक पहुँचते हैं,तभी हम उनके आशीर्वाद और दिव्यता का सही अनुभव कर पाते हैं। मंदारगिरी पर्वत पर पहुँच कर हमने पिंची आकार के 81 फुट ऊँचे गुरु मंदिर का दर्शन किया। यह मंदिर दिगंबर जैन तपस्वी श्री शांति सागर जी महाराज को समर्पित है। पास ही चंद्रनाथ तीर्थंकर की भव्य प्रतिमा है,जो बाहुबली जैसी प्रतीत होती है। वहाँ हमने एक अद्भुत दृश्य देखा-गाय और शेरनी एक घाट पर जल पी रहे थे, गाय का दूध शेरनी का शावक पी रहा था वही शेरनी का दूध गाय का बछड़ा। यह दृश्य भगवान महावीर के अहिंसाऔर सह- अस्तित्व के संदेश का जीवंत प्रमाण प्रतीत हो रहा था। पर्वत की चोटी तक पहुँचने के लिए लगभग 460 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं।

शिखर पर चार प्राचीन जैन मंदिर हैं,जिनमें से दो चंद्रनाथ और दो पार्श्वनाथ को समर्पित हैं। वहाँ की स्वच्छता,शांति और सुंदरता मन को मोह लेने वाली है। मंदिर परिसर के पीछे एक सुरम्य झील है,जो इस स्थल की आध्यात्मिकता को और भी गहरा कर देती है। हल्की फुहारें,पहाड़ी की मनोहारी,हरियाली और वातावरण में व्याप्त शांति-यह सब मिलकर ऐसा अनुभव कराते हैं मानो भगवान महावीर का आशीर्वाद हमें प्राप्त हो रहा हो। यात्रा के अंत में हमने स्थानीय रेस्टोरेंट में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया और वापस बेंगलुरु लौट आए। हमारे लिए यह यात्रा केवल एक आध्यात्मिक अनुभव नहीं, बल्कि जीवन के मूल्यों, शांति, सह-अस्तित्व और परिश्रम के महत्व की गहरी सीख भी दे गई।

दैनिक पंचांग

4 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	**कन्या**	06.41 बजे से
चंद्र	मकर में	**तुला**	08.52 बजे से
मंगल	कन्या में	**वृश्चिक**	11.07 ब.से
बुध	सिंह में	**धनु**	13.23 बजे से
गुरु	मिथुन में	**मकर**	15.28 बजे से
शुक्र	कर्क में	**कुंभ**	17.14 बजे से
शनि	मीन में	**मीन**	18.47 बजे से
राहु	कुंभ में	**मेष**	20.18 बजे से
केतु	सिंह में	**वृष**	21.58 बजे से
राहुकाल		**मिथुन**	23.56 बजे से
1.30 से 3.00		**कर्क**	02.09 बजे से
बजे तक		**सिंह**	04.25 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 247 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वादशी 04.09 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 23.44 बजे को समाप्त। **योग** सौभाग्य 15.22 बजे को समाप्त। **करण** बव 16.21 बजे तदनन्तर बालव 04.09 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 07° 10' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872457 **जूलियन दिन** 2460922.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 11 **विशेष** कल्की द्वादशी, भुवनेश्वरी जयंती, वामन जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	**अमृत**	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	**चर**	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	**रोग**	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	**काल**	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	**लाभ**	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	**उद्वेग**	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	**शुभ**	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	**अमृत**	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

घर का प्रवेश द्वार हो वास्तु के अनुसार

खू जीवन में सभी लोग सुख और सुविधाएं चाहते हैं और उसके लिए सभी प्रयास करते हैं। कई बार घर में सब कुछ ठीक होने के बावजूद कुछ ठीक नहीं होता। मन और घर में नकारात्म क ऊर्जा रहती है। इसके पीछे कई बार घर के मुख्यस से जुड़े वास्तु दोष होते हैं। इसलिए वास्तु की मान्यता के अनुसार यह जरूरी है कि आपके घर का प्रवेश द्वारा वास्तुल के अनुरूप हो ताकी नकारात्म क ऊर्जा घर में प्रवेश ही न कर सके।

आपके घर का मुख्यक द्वार वास्तुछ की नजर से बेहद अहम है1 जिस तरह इसी दरवाजे से अच्छे और बुरे लोग आपके घर में आते हैं। ठीक उसी तरह इसी दरवाजे से सकारात्म क और नकारात्मबक ऊर्जा भी प्रवेश करती है। अक्स र घर में सब कुछ ठीक होने के बावजूद कुछ ठीक नहीं होता। मन और घर में नकारात्मसक ऊर्जा रहती है. इसके पीछे कई बार घर के मुख्यो से जुड़े वास्तु। दोष। इसलिए वास्तु की मान्यता के अनुसार यह जरूरी है कि आपके घर का प्रवेश द्वारा वास्तुक के अनुरूप हो ताकी नकारात्म क ऊर्जा घर में प्रवेश ही न कर सके।

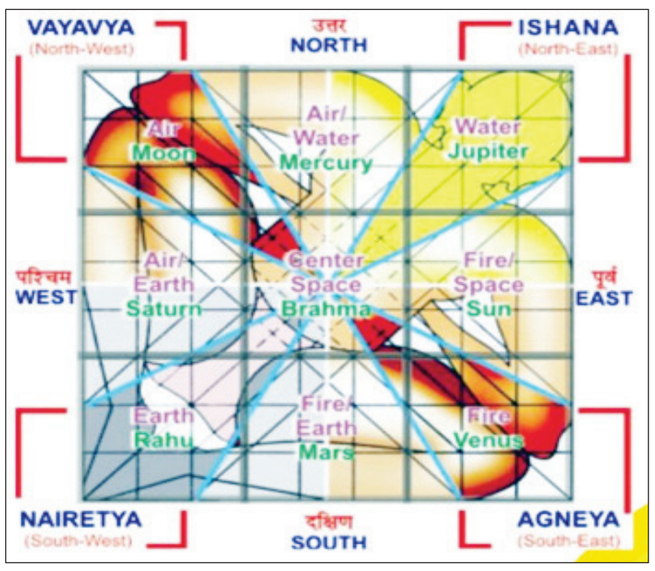

क्या करें क्या न करें

घर के बाहर रोशनी का इंतजाम जरूर करें। भले ही बल्ब या ट्यूबलाइट लगाएं, पर अंधेरा होते ही उसे जला कर रखें.

अक्सरर हम सभी घर के बाहर नेमप्लेट लगाते हैं और उसे लगा कर भूल जाते हैं। ऐसी गलती न करें। वास्तुर के अनुसार नेमप्लेट जितनी साफ और चमकदार होगी नकारात्मक ऊर्जा आपके घर से उतनी ही दूर रहेगी।

अगर आपके घर के बाहर भी शू रैग, साइकिल, स्कूसटर, कार वगैरह रखे या पार्क होते हैं, तो कोशिश करें कि ये मेन डोर से हट कर हों।

मुख्यतः द्वार के वास्तु दोष

वास्तु के अनुसार घर के मुख्य द्वार के सामने किसी दीवार, पेड या किसी भी तरह की छाया नहीं होनी चाहिए।

कई बार सब कुछ ठीक होने के बावजूद वास्तुड दोष के कारण परेशानियां सामने आती हैं। इसी तरह मुख्य द्वार अगर घर के बीचों-बीच होता है तो कलह का संकेत है कई बार हम सजावाट के लिए घर के बाहर या मुख्य द्वार पर किसी तरह की बेल-पौधे लगा लेते हैं, जोकि वास्तुव के अनुसार ठीक नहीं है।

वास्तु के हिसाब से घर का मेन डोर खोलते ही सामने सीढ़ी नहीं होनी चाहिए. इस बात का भी ध्याबन रखें कि मेन डोर हमेशा अंदर की तरफ खुलने वाला होना चाहिए।

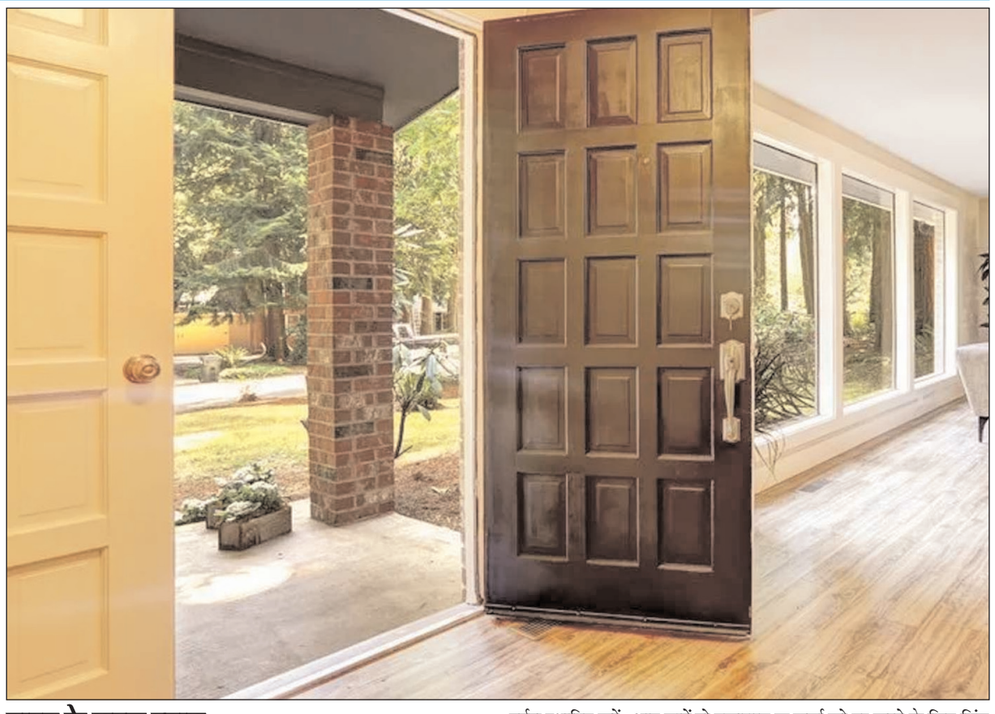

वास्तु के सरल उपाय

याद हो तो पुराने जमाने में घर के मुख्यी द्वार को झालरों से सजाया जाता था. यह घर की खूबसूरती के साथ ही वास्तु के हिसाब से भी अच्छी है। ऐसा करने से घर में नकारात्म क ऊर्जा नहीं आती। मेन डोर के बाहरी ओर दीवार पर पाकुआ दर्पण स्थापित करें। आप चाहें तो नकारात्म क ऊर्जा को दूर करने के लिए विंड बेल्सी लगाएं मुख्य द्वार पर क्रिस्टल बॉल लटकाएं। इसके अलावा आप मेन डोर पर लाल रंग का फीता बांधने से भी घर में नकारात्म क ऊर्जा प्रवेश नहीं कर पाती। घर का मुख्या द्वार खोलते ही सीढ़ी नहीं होनी चाहिए, अगर ऐसा है, तो फिर उन पर पर्दा डाल कर नकारात्म क ऊर्जा को दूर किया जा सकता है।

गुरुवार के दिन कुछ काम नहीं करना चाहिए

आ पने अक्सर बड़े-बुजुर्गों से सुना होगा कि गुरुवार के दिन कुछ काम नहीं करना चाहिए क्योंकि इनका नकारात्मक प्रभाव जीवन पर होता है और इसकी वजह से आर्थिक तंगी हो सकती है।

ज्योतिषशास्त्र में भी कुछ ऐसा ही माना गया है कि बृहस्पतिआ ग्रह की अनुकूलता के लिए कुछ ऐसे काम हैं, जो गुरूवार के दिन नहीं करने चाहिए. सुखद पारिवारिक जीवन, शिएक्षा, ज्ञान और धन इनकी कृपा से ही प्राप्त होता है। शास्त्रों के अनुसार कुछ ऐसे काम हैं, जो गुरूवार के दिन नहीं करने चाहिए अन्यथा अनुकूल गुरू भी प्?तिहकूल प्रभाव देता है।

अगर आप पहले से ही आर्थिक परेशानी और दूसरी दिक्कतों से गुजर रहे हैं तो गुरुवार को भूलकर भी इन कामों को न करें.

जानिये कौन से हैं वो काम...

पिनता, गुरू और साधु-संत बृहस्पति का प्रतिनिधि करते हैं. कभी भी इनका अपमान न करें.

खिनचड़ी न तो घर में बनाएं और न खाएं.

नाखून नहीं काटने चाहिए।

महिलाओं को बाल नहीं धोने चाहिए. कहा जाता है की इससे संपत्ति और संपन्नता सुख में कमी आती है।

कपड़े नहीं धोने चाहिए।

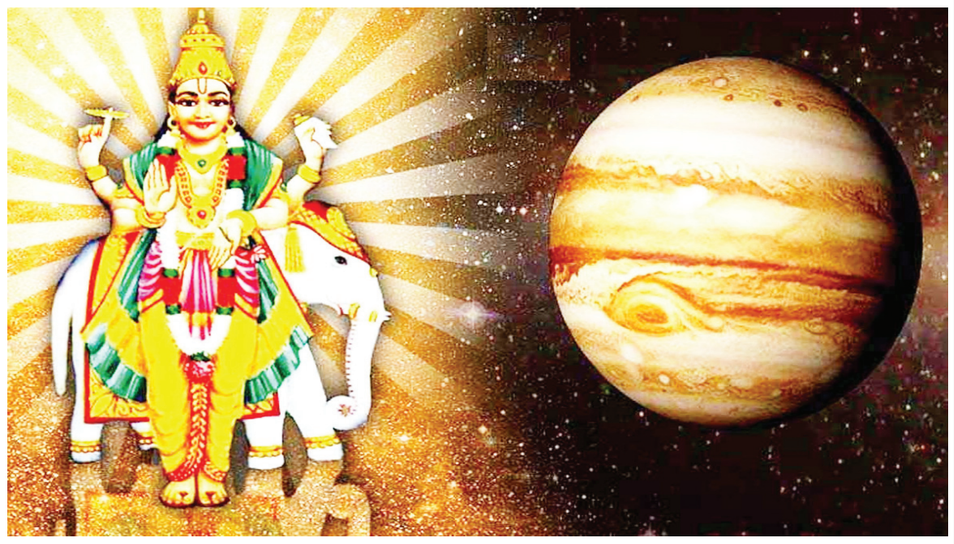

क्या करें

गुरुवार को ये कार्य करने से घर में आती है शुभता और बन जाते हैं बिगड़े काम...

सूर्य उदय होने से पहले शुद्ध होकर भगवान विष्णु के समक्ष गाय के शुद्ध देसी घी का दीपक जलाएं।

केसर अथवा हल्दी का तिलक मस्तक पर लगाएं1

पीली चीजों का दान करें।

संभव हो तो व्रत रखें।

भगवान शिव पर पीले रंग के लड्डू अर्पित करें।

केले के पेड़ का पूजन करें, प्रसाद में पीले रंग के पकवान अथवा फल अर्पित करें।

केले का दान करें।

अंगूठा बता देता है आपके अंदर का राज

स भी को भविष्य में क्या छिपा है यह राज जानने की जिज्ञासा होती है। जन्मकुंडली के साथ ही हाथ की रेखाएं देखकर भी भविष्य के राज जाने जा सकते हैं।

हस्तरेखा विज्ञान में अंगूठे को चरित्र का आइना कहा जाता है। आप इसे देखकर व्यक्ति के बारे में कई गुप्त बातें जान सकते हैं। व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, बचत, काम वासना और रोगों का पता भी अंगूठे से लग जाता है।

अंगूठा लंबा

जिनका अंगूठा लंबा होता है वह बुद्धिमान और उदार होते हैं। ऐसे व्यक्ति शौकीन भी खूब होते हैं। अगर अंगूठा तर्जनी उंगली के दूसरे पोर तक पहुंच रहा है तो व्यक्ति नेक होता है और कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता।

अंगूठा छोटा

अंगूठा छोटा होना अच्छा नहीं माना जाता। ऐसे लोगों के उधार और कर्ज देने से बचना चाहिए क्योंकि पैसा डूबने का डर रहता है। इन्हें जीवन में कई बार हानि उठानी पड़ती और पारिवारिक जीवन में भी उथल-पुथल मचा रहता है।

अंगूठा अधिक चौड़ा

अगर अंगूठा अधिक चौड़ा हो तो व्यक्ति खर्चीले स्वभाव का होता है। ऐसे लोग अक्सर कोई न कोई बुरी लत अपना लेते हैं।

कम खुलने वाला अंगूठा

कम खुलने वाला अंगूठा हस्तरेखा विज्ञान में अच्छा नहीं माना गया है। ऐसे लोगों के हर काम में बाधा आती रहती है और सफलता देर से मिलती है। ऐसे लोग चाहकर भी कमाई के अनुसार बचत नहीं कर पाते हैं।

ऊपर मोटा और गोल हो तो

अगर अंगूठा नीचे पतला और ऊपर मोटा और गोल हो तो ऐसा व्यक्ति शंकालु होते और इन्हे भी अपने काम में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन हाथ भारी हो तो उन्नति करते हैं।

अंगूठा हो लंबा पतला तो

अंगूठा पतला और लंबा हो तो व्यक्ति शांत स्वभाव का होता है। ऐसे व्यक्ति अपने काम वासना पर नियंत्रण रखने में कुशल होते हैं। इन्हें व्यवहारकुशल भी माना जाता है। ऐसे लोग भावुक भी खूब होते हैं।

ऐसे लोग धनी होते हैं

जिनका अंगूठा ज्यादा खुलता है ऐसे लोग धनी होते हैं। अपने व्यक्तित्व के कारण इन्हें समाज में खूब सम्मान मिलता है।

अनंत चतुर्दशी शनिवार, 6 सितंबर को पड़ेगी इस साल

अ नंत चतुर्दशी शनिवार, 6 सितंबर को पड़ रही है । आध्यात्मिक रूप से शक्तिशाली इस दिन में भक्ति, विसर्जन और दिव्य नवीनीकरण का मिश्रण होता है । हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 06 सितंबर को देर रात 03 बजकर 12 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 07 सितंबर को देर रात 01 बजकर 41 मिनट पर होगा। उदया तिथि को देखते हुए इस साल 06 सितंबर को अनंत चतुर्दशी मनाई जाएगी। अनंत चतुर्दशी का धार्मिक महत्व यह गणेश चतुर्थी के अंतिम दिन को दर्शाता है , जिसे गणेश विसर्जन के नाम से जाना जाता है , जब भगवान गणेश को हर्षोल्लास और भावनात्मक विदाई के साथ जल में विसर्जित किया जाता है। यह क्रिया रूप की नश्वरता और आत्मा की शाश्वत प्रकृति का प्रतीक है । साथ में, अनंत चतुर्दशी वैदिक दर्शन और सामुदायिक उत्सव में निहित त्याग और भक्ति का एक गहन दिन बन जाता है। अनंत व्रत कैसे करें - अनुष्ठान और पालन अनंत चतुर्दशी व्रत रखने वाले भक्तों द्वा अनंत चतुर्दशी शनिवार, 6 सितंबर को पड़ेगी।

इस साल अनंत चतुर्दशी शनिवार, 6 सितंबर को पड़ रही है । आध्यात्मिक रूप से शक्तिशाली इस दिन में भक्ति, विसर्जन और दिव्य नवीनीकरण का मिश्रण होता है ।

हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 06 सितंबर को देर रात 03 बजकर 12 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 07 सितंबर को देर रात

01 बजकर 41 मिनट पर होगा। उदया तिथि को देखते हुए इस साल 06 सितंबर को अनंत चतुर्दशी मनाई जाएगी।

अनंत चतुर्दशी का धार्मिक महत्व: यह गणेश चतुर्थी के अंतिम दिन को दर्शाता है , जिसे गणेश विसर्जन के नाम से जाना जाता है , जब भगवान गणेश को हर्षोल्लास और भावनात्मक विदाई के साथ जल में विसर्जित किया जाता है। यह क्रिया रूप की नश्वरता और आत्मा की शाश्वत प्रकृति का प्रतीक है।

साथ में, अनंत चतुर्दशी वैदिक दर्शन और सामुदायिक उत्सव में निहित त्याग और भक्ति का एक गहन दिन बन जाता है।

अनंत व्रत कैसे करें - अनुष्ठान और पालन: अनंत चतुर्दशी व्रत रखने वाले भक्तों द्वारा अपनाए जाने वाले पारंपरिक चरण इस प्रकार हैं=

सुबह स्नान और स्वच्छ पोशाक: दिन की शुरुआत पवित्र स्नान से करें और पारंपरिक कपड़े पहनें।

अनन्त सूत्र: 14 गांठों वाला पवित्र धागा (हल्दी और कुमकुम से रंगा हुआ) दाहिने हाथ (पुरुषों के लिए) या बाएं हाथ (महिलाओं के लिए) पर बांधें।

कलश और मूर्ति स्थापना पूजा के लिए अनंत शेष पर लेटे हुए भगवान विष्णु की एक कलश या मूर्ति/चित्र स्थापित करें ।

पूजा और नैवेद्य: तुलसी के पत्ते, फल, मिठाई और पंचामृत चढ़ाएं। विष्णु सहस्रनाम या अनंत अष्टोत्तर शतनामावली का पाठ करें ।

अनंत चतुर्दशी व्रत के आध्यात्मिक लाभ पारिवारिक स्थिरता और वित्तीय निरंतरता को बढ़ावा देता है कर्म संबंधी रुकावटों और बाधाओं को दूर करता है जीवन की रक्षा के लिए भगवान विष्णु की कृपा का आह्वान आंतरिक शांति, अनुशासन और भक्ति को बढ़ावा देता है रिश्तों और करियर में दीर्घकालिक आशीर्वाद को प्रोत्साहित करता है।

जीवन की समस्याओं का समाधान बताते हैं यंत्र

हि न्दू धर्म के अनेक ग्रंथों में कई तरह के चक्रों और यंत्रों के बारे में विस्तार से उल्लेख किया गया है। जिनमें राम शलाका प्रश्नावली, हनुमान प्रश्नावली चक्र, नवदुर्गा प्रश्नावली चक्र, श्रीगणेश प्रश्नावली चक्र आदि प्रमुख हैं। कहते हैं इन चक्रों और यंत्रों की सहायता से लोग अपने मन में उठ रहे सवालों, जीवन में आने वाली कठिनाइयों आदि का समाधान पा सकते हैं। इन चक्रों और यंत्रों की सहायता लेकर केवल आम आदमी ही नहीं बल्कि ज्योतिष और पुरोहित लोग भी सटीक भविष्यवाणियां तक कर देते हैं।

श्री राम शलाका प्रश्नावली

श्री राम शलाका प्रश्नावली का उल्लेख गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरित मानस में प्राप्त होता है। यह राम भक्ति पर आधारित है। इस प्रश्नावली का प्रयोग से लोग जीवन के अनेक प्रश्नों का जवाब पाते हैं। इस प्रश्नावली का प्रयोग के बारे कहा जाता है कि सबसे पहले भगवान श्रीराम का स्मरण करते हुए किसी सवाल को मन में अच्छी तरह सोच लिया जाता है फिर शलाका चार्ट पर दिए गए किसी भी अक्षर पर आंख बंद कर उंगली रख दी जाती है। जिस अक्षर पर उंगली रखी जाती है, उसके अक्षर से प्रत्येक 9वें नम्बर के अक्षर को जोड़ कर एक चौपाई बनती है, जो प्रश्नकर्ता के प्रश्न का उत्तर होती है।

हनुमान प्रश्नावली चक्र

यह बात बहुत कम लोगों को पता है कि हनुमानजी एक उच्च कोटि के ज्योतिषी भी थे। इसका कारण शायद यह हो सकता है कि वे शिव के ग्यारहवें अंशावतार थे, जिनसे ज्योतिष विद्या की उत्पत्ति हुई मानी जाती है। कहते हैं, हनुमानजी ने ज्योतिष प्रश्नावली के 40 चक्र बनाए हैं। यहां भी प्रश्नकर्ता आंख मूंद कर चक्र के नाम पर उंगली रखता है। अगर उंगली किसी लाइन पर रखी गई होती है, तो दोबारा उंगली रखी जाती है। फिर नाम के अनुसार शुभ-अशुभ फल का निराकरण किया जाता है। कहते हैं। रामायण काल के परम दुर्लभ यंत्रों में हनुमान चक्र श्रेष्ठ यंत्रों का सिरमौर है।

नवदुर्गा प्रश्नावली चक्र

अनेक लोग, विशेष देवी दुर्गा के परम भक्त, यह मानते हैं कि नवदुर्गा प्रश्नावली चक्र एक चमत्कारिक चक्र है, जिसे के माध्यम से कोई भी अपने जीवन की समस्त परेशानियों और मन के सवालों का संतोषजनक हल आसानी से पा सकते हैं। इस चक्र के उपयोग की विधि के लिए पहले पांच बार ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे मंत्र का जप करना पड़ता फिर एक बार या देवी सर्वभूतेषु मातृरुपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम= मंत्र का जप कर, आंखें बंद करके सवाल पूछा जाता है और देवी दुर्गा का स्मरण करते हुए प्रश्नावली चक्र पर उंगली घुमाते हुए रोक दिया जाता है, जिस कोष्ठक उंगली होती है। उस कोष्ठक में लिखे अंक के अनुसार फलादेश को जाना जाता है।

श्रीगणेश प्रश्नावली चक्र

हिंदू मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश प्रथमपूज्य हैं। वे सभी मांगलिक कार्यों में सबसे पहले पूजे जाते हैं। उनकी पूजा के बिना कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता। श्रीगणेश प्रश्नावली यंत्र के माध्यम से भी लोग अपने जीवन की सभी परेशानियों और सवालों के हल जानने की कोशिश करते हैं। जिसे भी अपने सवालों का जवाब या परेशानियों का हल जानना होता है, वे पहले पांच बार ऊँ नम= शिवाय= और फिर 11 बार ऊँ गं गणपतये नम= मंत्र का जप करते हैं और फिर आंखें बंद करके अपना सवाल मन में रख भगवान गणेश का स्मरण करते हुए प्रश्नावली चक्र प्रश्नावली चक्र पर उंगली घुमाते हुए रोक देते हैं, जिस कोष्ठक उंगली होती है। उस कोष्ठक में लिखे अंक के अनुसार फलादेश को जाना जाता है।

शिव प्रश्नावली यंत्र

इस यंत्र में भगवान शिव के एक चित्र पर 1 से 7 तक अंक दिए गए होते हैं। श्रद्धालु अपनी आंख बंद करके पूरी आस्था और भक्ति के साथ शिवजी का ध्यान करते हैं और और मन ही मन ऊं नम= शिवाय= मंत्र का जाप कर उंगली को शिव यंत्र पर घुमाते हैं और फिर उंगली घुमाते हुए रोक देते हैं, जिस कोष्ठक उंगली होती है। उस कोष्ठक में लिखे अंक के अनुसार फलादेश को जाना जाता है1

इन प्रश्नावलियों और यंत्रों के अलावा अनेक लोग साईं प्रश्नावली का उपयोग भी अपने मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

कृष्णा बोले, मैंने तारीफ की थी पर बेवजह भड़क गये थे रुट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा है कि ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के दौरान उन्होंने इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट की तारीफ की थी पर उसे गलत समझ लिया गया। कृष्णा के अनुसार वह समझ नहीं पाये कि रुट इतने गुस्से में क्यों आ गये थे, इस मैच में रूट और कृष्णा के बीच काफी बहस हुई थी। कृष्णा ने इसी को लेकर से कहा, ''मुझे नहीं पता कि रूट क्यों भड़क गये दी। मैंने तो बस इतना कहा था, 'आप अच्छे लग रहे हो' और इसी से बात बिगड़ गयी। मैंने कई खिलाड़ियों से बात की। मैंने रूट से भी बात की। मैंने पूछा क्या हुआ था तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगा तुमने मुझे गाली दी'। मैंने कहा, 'नहीं, मैंने तो ऐसा कुछ नहीं कहा था'। रूट ने फिर कहा, 'असल में मैं अपने को भी प्रेरित करने की कोशिश कर रहा था, इसलिए बात बढ़ गयी थी।

हैरी ब्रूक का रन आउट होना इंग्लैंड को भारी पड़ा

हैडिंग्ले। यहां इंग्लैंड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक की एक गलती टीम को भारी पड़ गयी। इस मैच में हैरी रन आउट हो गये। टीम के 54 साल के इतिहास में ये पहली बार है जब कोई कप्तान रन आउट हुआ है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया मेजबान टीम पूरी तरह से विफल रही और 25 ओवर भी पूरे नहीं खेल पाई।

एशिया कप में फिर कुलदीप की हो सकती है उपेक्षा: मनिंदर

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर मनिंदर सिंह ने कहा है कि बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की लगातार उपेक्षा हो रही है। मनिंदर को लगता है कि ऐसे में एशिया कप में भी उन्हें खेलने का अवसर शायद ही मिले। इसका कारण है कि टीम प्रबंधन अक्सर ऐसे गेंदबाजों को वरीयता देता है जो बल्ले से भी योगदान दे सकें। इस पूर्व स्पिनर ने कहा है कि कुलदीप को टीम में शामिल न करने के कारण ही भारतीय टीम इंग्लैंड में सीरीज नहीं जीत पायी। इस पूर्व स्पिनर का मानना है कि अगर कुलदीप टीम में होते तो भारतीय टीम टेस्ट सीरीज जीतती।

आईओसी में सुलह हुई, ओलंपिक संघ ने फिर खोला खजाना

खिलाड़ी विकास कार्यक्रमों के लिए रुके 15 करोड़ का अनुदान किया बहाल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आईओसी के निदेशक जेम्स मैकलियोड ने पीटी उषा को लिखे पत्र में कहा कि आईओए ने हाल के हफ्तों में जो सुधारात्मक कदम उठाए हैं, उनसे पारदर्शिता और एकता का माहौल बना है। इसी आधार पर आईओसी ने भारत के लिए फंडिंग बहाल करने का फैसला लिया है।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अंदरूनी विवाद और प्रशासनिक अड़चनें दूर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने बड़ा फैसला लिया है। आईओसी ने ओलंपिक सॉलिडेरिटी प्रोग्राम के तहत आईओए को दिया जाने वाला वित्त पोषण दोबारा शुरू करने की घोषणा की है। पिछले साल यह फंडिंग रोक दी गई थी।

आईओए में सीईओ रघुराम अय्यर की नियुक्ति को लेकर खींचतान चल रही थी, लेकिन खेल मंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद आईओए अध्यक्ष पीटी उषा और कार्यकारी परिषद

के असंतुष्ट सदस्यों के बीच समझौता हो गया। इसके बाद 24 जुलाई को अय्यर की नियुक्ति को औपचारिक मंजूरी दी गई और 13 अगस्त को आयोजित आम सभा में लंबित रिपोर्टें और वित्तीय ऑडिट भी पास किए गए। आईओसी के निदेशक जेम्स मैकलियोड ने पीटी उषा को लिखे पत्र में कहा कि आईओए ने हाल के हफ्तों में जो सुधारात्मक कदम उठाए हैं, उनसे पारदर्शिता और एकता का माहौल बना है। इसी आधार पर आईओसी ने भारत के लिए फंडिंग बहाल करने का फैसला लिया है। मैकलियोड ने उम्मीद जताई कि भारत में प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम खेल संगठनों में सुशासन को और मजबूत करेगा और ओलंपिक चार्टर की भावना को आगे बढ़ाएगा। आईओसी का यह कदम न सिर्फ आईओए के लिए बड़ी राहत है, बल्कि उन खिलाड़ियों के लिए भी उत्साहजनक है जिनके विकास कार्यक्रमों पर पिछले एक साल से रोक लगी हुई थी। अब अनुदान बहाल होने के बाद प्रशिक्षण और संसाधनों की उपलब्धता बेहतर होगी।

सुपर-4 मैच में भारत का कोरिया से सामना

राजगीर, निप्र। बिहार के राजगीर में जारी हॉकी एशिया कप 2025 के सुपर-4 के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। भारतीय हॉकी टीम का सामना कोरिया से हो रहा है। हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व वाली भारतीय टीम अब तक इस टूर्नामेंट में अजेय है। इस मुकाबले में भी टीम जीत हासिल करना चाहेगी।

बिहार के राजगीर में जारी हॉकी एशिया कप 2025 के सुपर-4 के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। भारतीय हॉकी टीम का सामना कोरिया से हो रहा है। हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व वाली भारतीय टीम अब तक इस टूर्नामेंट में अजेय है। इस मुकाबले में भी टीम जीत हासिल करना चाहेगी।

शतरंज के तीनों प्रारूपों में रचा इतिहास

शाबाश आरिनी ने पांच साल की उम्र में फिडे रेटिंग

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आरिनी शतरंज के तीनों प्रारूपों क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में फिडे रेटिंग हासिल करने वाली दुनिया की सबसे युवा बेटी बन गई हैं। डी गुकेश, प्रगनानंदा और दिव्या देशमुख के बाद अब पांच साल की बेटी दिल्ली की आरिनी लाहोटी ने शतरंज की दुनिया में भारत का डंका बजा दिया है। आरिनी शतरंज के तीनों प्रारूपों क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में फिडे रेटिंग हासिल करने वाली दुनिया की सबसे युवा बेटी बन गई हैं।

क्लासिकल में आरिनी की रेटिंग 1553, रैपिड में 1550 और ब्लिट्ज में 1498 है। दरअसल उनके आयुवर्ग में कई खिलाड़ी रैपिड वर्ग में रेटिंग हासिल कर चुके हैं, लेकिन तीनों प्रारूपों में वह रेटिंग हासिल करने वालीं पहली खिलाड़ी हैं। आरिनी पिछले माह ही अपने आयुवर्ग में भारत की सबसे श्रेष्ठ रेटिंग वाली खिलाड़ी बन गई थीं। रविवार को फिडे ने आधिकारिक रेटिंग जारी की है। 19 सितंबर, 2019 को जन्मीं आरिनी के बारे में निजी स्कूल में शिक्षक उनके पिता सुरेंद्र लाहोटी ने कहा कि जन्मदिन से पहले ही बेटी ने बड़ी खुशी दे दी है। उन्होंने बताया कि घर पर ही बेटी की तैयारी कराते हैं।

आउटफील्ड में लगेगी नई राई घास, 14 दिसंबर को होगा मुकाबला

धर्मशाला में भारत-साउथ अफ्रीका टी20 मैच की तैयारी शुरू

धर्मशाला ■ एजेंसी

हिमाचल प्रदेश का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, धर्मशाला, दिसंबर में एक और हाई-वोल्टेज मुकाबले की मेजबानी के लिए तैयार है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाला तीसरा टी-20 मैच यहां नई राई घास पर खेला जाएगा। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने आउटफील्ड से पुरानी मिक्स घास हटाकर सर्दियों में पनपने वाली राई घास लगाने की तैयारी शुरू कर दी है।

एचपीसीएल अधिकारियों के मुताबिक, अगले एक हफ्ते में पुरानी मिक्स घास पूरी तरह हटा दी जाएगी। इसके बाद राई घास का बीज डाला जाएगा, जिसे उगाने में 22 से 25 दिन लगेंगे। यह घास सर्दियों में तेजी से बढ़ती है और खेल के लिए बेहतरीन मानी जाती है, जिससे दिसंबर में होने वाले मैच के लिए एक शानदार आउटफील्ड तैयार हो जाएगी।

2019 में लगाया गया था सब-एयर सिस्टम: करीब तीन साल पहले स्टेडियम की आउटफील्ड को पूरी तरह उखाड़कर एडवांस सब-एयर सिस्टम लगाया गया था। उस समय

राई घास के साथ-साथ बरमूडा घास का बीज भी बोया गया था, लेकिन मिक्स घास के कारण मैदान में जगह-जगह खराब पैच बनने लगे थे। इसी वजह से अब एचपीसीएल ने आउटफील्ड को पूरी तरह से नई राई घास से तैयार करने का फैसला लिया है।

एचपीसीएल सचिव अवनीश परमार ने बताया कि स्टेडियम की आउटफील्ड से पुरानी घास हटाई जा रही है। नई राई घास का बीज जल्द डाला जाएगा। इससे दिसंबर में मैच से पहले एक बेहतरीन आउटफील्ड तैयार होगी। यह घास पहले भी सफलतापूर्वक इस्तेमाल की जा चुकी है।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम की स्थापना 2003 में की थी, जिसकी ऊंचाई समुद्र तल से करीब 1,457 मीटर (4,780 फीट) है। इसकी क्षमता लगभग 23,000 दर्शक है।

14 दिसंबर को आमने-सामने होंगे भारत-साउथ अफ्रीका

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला 14 दिसंबर को धर्मशाला स्टेडियम में खेला जाएगा। मार्च 2024 में भारत-इंग्लैंड टेस्ट के बाद लगभग 21 महीनों के बाद इस स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी का मौका मिलेगा। अब तक धर्मशाला में 11 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच हो चुके हैं, जिनमें से एक बारिश के कारण धुल गया था।

पहला अंतरराष्ट्रीय मैच: 2013 में भारत बनाम इंग्लैंड वनडे: धर्मशाला अंतरराष्ट्रीय मैच में अब तक 1 टेस्ट, 6 वनडे और 11 टी-20 मैच की मेजबानी कर चुका है।

बैटर्स की वनडे, टेस्ट और टी-20 रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं, बॉलर्स में बुमराह टॉप पर

जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा नंबर-1 वनडे ऑलराउंडर

दुबई ■ एजेंसी

जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा नंबर-1 वनडे ऑलराउंडर बन गए हैं। बुधवार को जारी आईसीसी रैंकिंग में रजा ने अफगानी ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई को पीछे छोड़ा। रजा ने करियर की बेस्ट रेटिंग हासिल की। उनके अब 302 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं।

टीम रैंकिंग की बात की जाए तो भारत वनडे और टी-20 में पहले नंबर पर है। वहीं ऑस्ट्रेलिया टेस्ट में नंबर-1 पर है। बैटर्स की वनडे, टेस्ट और टी-20 के टॉप-10 रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बॉलर्स की टेस्ट रैंकिंग में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी नंबर-3 पर आ गए हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह पहले नंबर पर बने हुए हैं। टी-20 बॉलर्स रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

ऑलराउंडर्स टेस्ट रैंकिंग में रवींद्र जडेजा पहले स्थान पर हैं। वहीं टी-20 में हार्दिक पंड्या टॉप पर बने हुए हैं।

रजा ने दो अफगानी प्लेयर्स को पीछे छोड़ा रजा अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी (292 अंक) और अजमतुल्लाह उमरजई (296 अंक) को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंचे हैं। नबी तीसरे और उमरजई दूसरे पायदान पर हैं। रजा ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो वनडे मैचों की सीरीज में 92 और 59 रनों की नाबाद पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने एक विकेट भी चटकाया था। 39 साल के रजा बल्लेबाजी रैंकिंग में भी नौ स्थान ऊपर चढ़कर 22वें पर चले गए हैं।

निसांका ने 7 स्थान की छलांग लगाई जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे स्पोर्ट्स क्लब में दोनों वनडे जीतने के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने भी रैंकिंग में छलांग लगाई है। पथुम निसांका (654 अंक) बल्लेबाजी रैंकिंग में सात स्थान ऊपर 13वें पर पहुंच गए। उन्होंने सीरीज में 122 और 76 रनों की पारी खेली।

जनिथ लियानागे 13 स्थान चढ़कर 29वें पर पहुंच गए। गेंदबाजी रैंकिंग में असिथा फर्नांडो को 6 और दिलशान मधुशंका को 8 स्थान ला फायदा मिला है।

व्यापार समाचार

परिषद की बैठक में मंथन जारी

बिस्किट, चिप्स, टीवी, फ्रिज से कार तक होंगे सस्ते

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान इसका करों से जुड़ा पैनल हेयर ऑयल से लेकर छोटी कारों तक लगभग 400 से अधिक वस्तुओं पर कर कटौती की योजना पर फैसला करेगा। दो दिवसीय बैठक के फैसलों का एलान 4 सितंबर को किया जाना है।

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक जारी है। दो दिनों तक चलने वाली बैठक के फैसलों का एलान 4 सितंबर को होना है। इस बैठक में केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हो रहे हैं। इस बार का बैठक काफी अहम है। इस बैठक में जीएसटी परिषद के सदस्य आठ साल पुराने जीएसटी कर ढांचे में बड़े बदलावों पर चर्चा कर रहे हैं। परिषद सरकार ने जीएसटी की दरों में अब तक की सबसे बड़ी कटौती का प्रस्ताव रखा है। सरकार के इस फैसले का मकसद अमेरिका की ओर से लगाए गए 50% टैरिफ के कारण पैदा हुई चुनौतियों से निपटने के लिए घरेलू स्तर पर मांग को बढ़ावा देना है।

इससे पहले फरवरी में आयकर के दायरे में बड़ा बदलाव किए जाने के बाद अब वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में बड़ी कटौती होने से देश में खपत बढ़ने की उम्मीद है। जून तिमाही में अर्थव्यवस्था में अप्रत्याशित रूप से 7.8% की उच्च दर ने इसके संकेत पहले ही दे दिए हैं।

हेयर ऑयल से छोटी कारों तक- 400 से अधिक

वस्तुओं पर कर घटाने के लिए होगी चर्चा: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान इसका करों से जुड़ा पैनल हेयर ऑयल से लेकर छोटी कारों तक लगभग 400 से अधिक वस्तुओं पर कर कटौती की योजना पर फैसला करेगा। रॉयटर्स ने ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी के पार्टनर मनोज मिश्रा के हवाले से बताया है कि अमेरिकी टैरिफ के कारण कपड़ा, ऑटो और संभवत: फार्मास्यूटिकल्स के निर्यात पर असर पड़ रहा है। ऐसे में भारत को प्राथमिक विकास इंजन के रूप में घरेलू खपत पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

जीएसटी परिषद में करों की कटौती के फैसले से हिंदुस्तान यूनिलीवर और गोदरेज इंडस्ट्रीज जैसी एफएमसीजी कंपनियों और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की बिक्री में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। दूसरी ओर, वाहन निर्माताओं में मारुति, टोयोटा मोटर और सुजुकी मोटर को भी जीएसटी परिषद के फैसले से बड़े राहत की उम्मीद है।

जानकारों के अनुसार जीएसटी परिषद के सदस्य मौजूदा करों के चार स्लैब की बजाय 5% और 18% के दो स्लैब पर ही विचार करेंगे। वहीं 12% और 28% के स्लैब को खत्म किया जा सकता है। इसके अलावे, एक 40% का अतिरिक्त स्लैब भी लाने की तैयारी है। इसके तहत सिगरेट और महंगी कारों जैसी विलासितापूर्ण चीजों पर मोटा कर लगाने पर विचार किया जाना है। सरकार की योजना है कि दैनिक उपयोग की सभी वस्तुओं को 5% की श्रेणी में लाया जाए, जो अभी 12% की श्रेणी में हैं।

टूथपेस्ट और शैम्पू पर कर को 18% से घटाकर 5% करने की तैयारी: वहीं पैनल उपभोक्ता वस्तुओं जैसे टूथपेस्ट और शैम्पू पर कर को 18% से घटाकर 5% करने और छोटी कारों, एयर कंडीशनर और टेलीविजन पर कर को 28% से घटाकर 18% करने पर भी विचार करेगा। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि इस कटौती से 21 बिलियन डॉलर के जीएसटी राजस्व नुकसान होगा। इस नुकसान में राज्यों की हिस्सेदारी केंद्र सरकार से अधिक होगी। हालांकि राज्य मोटे तौर पर इन बदलावों पर सहमत हैं। हालांकि राजस्व की हानि की भरपाई के तरीकों पर जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान गरमागरम चर्चा हो सकती है। जीएसटी परिषद का कारों से जुड़ा पैनल 20 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले महंगे इलेक्ट्रिक वाहनों पर कर बढ़ाने पर भी चर्चा कर सकता है।

अमेरिका और भारत के बीच व्यापार लंबे समय से एकतरफा रहा: ट्रंप

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में भारत पर लगाए गए 50 फीसदी आयात शुल्क का कड़ा बचाव किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार लंबे समय से एकतरफा रहा है, जिसमें भारत ने अमेरिकी सामानों पर भारी शुल्क लगाया जबकि अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान आसानी से प्रवेश कर जाते थे। ट्रंप ने बताया कि भारत ने कई उत्पादों पर 100 फीसदी तक शुल्क लगाया है, जिससे अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो गया है। ट्रंप ने हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले उस पर भारत में 200 फीसदी तक शुल्क था, जिससे अमेरिकी उत्पाद महंगे और अप्रतिस्पर्धी हो गए। कंपनी ने बाद में भारत में उत्पादन शुरू कर दिया ताकि भारी शुल्क से बचा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के कारण अमेरिकी कंपनियों के लिए व्यापार करना कठिन हो गया है, जबकि भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी बाजार खुला रहा। ट्रंप ने आरोप लगाया कि भारत अधिकांश तेल और सैन्य सामान रूस से खरीदता है और अमेरिका से बहुत कम खरीदता है, जिससे अमेरिका के लिए अवसर कम हो रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कई कंपनियां चीन, मेक्सिको और कनाडा से अमेरिका आ रही हैं ताकि वे शुल्क से बच सकें और अमेरिकी प्रोत्साहनों का लाभ उठा सकें। वहीं, भारत ने अमेरिका के शुल्क को अनुचित और असंगत बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार किसानों, छोटे उद्योगों और पशुपालकों के हितों से समझौता नहीं करेगी।

जोमैटो से खाना मंगाना हुआ महंगा

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से खाना मंगाना अब थोड़ा और महंगा हो गया है। कंपनी ने प्लेटफॉर्म चार्ज में 20 प्रतिशत का इजाफा किया है। जोमैटो ने ऑर्डर पर लगने वाली फीस को 10 रुपए से बढ़ाकर 12 रुपए कर दिया है। त्योहारी सीजन, जैसे दीवाली, नवरात्रि और अन्य उत्सवों के दौरान, लोग बाहर से खाना ऑर्डर ज्यादा करते हैं। इस दौरान जोमैटो की ऑर्डर्स की संख्या काफी बढ़ जाती है। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी को अपने डिलीवरी सिस्टम, कर्मचारियों और तकनीकी संसाधनों पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। इस खर्च को संतुलित करने के लिए कंपनी ने प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाने का फैसला किया है।

अर्बन कंपनी का 1,900 करोड़ का आईपीओ 10 सितंबर से खुलेगा

नई दिल्ली। मोबाइल ऐप आधारित घरेलू एवं सौंदर्य सेवा मंच अर्बन कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 98 रुपए से 103 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का कुल मूल्यांकन 14,790 करोड़ रुपए के करीब आंका गया है। आईपीओ 10 से 12 सितंबर तक खुलेगा, जबकि एंकर निवेशक 9 सितंबर को बोली लगाएंगे। कंपनी नए शेयर जारी कर 472 करोड़ रुपए जुटाएगी, जबकि मौजूदा निवेशक 1,428 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे। प्रमुख निवेशक एक्सेल इंडिया, बेसेमर इंडिया कैपिटल, एलिवेशन कैपिटल सहित अन्य शेयर बेचेंगे। आईपीओ से मिले पैसे का इस्तेमाल नई तकनीक, क्लाउड अवसंरचना, मार्केटिंग और कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा। गुरुग्राम स्थित अर्बन कंपनी घरेलू सेवाओं में डिजिटल बदलाव ला रही है और निवेशकों के लिए अच्छा अवसर प्रस्तुत कर रही है।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर अगस्त में 15 साल के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली। देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर अगस्त 2025 में 15 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। यह वृद्धि मुख्य रूप से मांग की बेहतर स्थिति और नए ऑर्डर तथा उत्पादन में तेजी से हुई बढ़ोतरी के कारण संभव हुई है। एचएसबीसी इंडिया के मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई के 60.5 से बढ़कर अगस्त में 62.9 हो गया। यह जून 2010 के बाद सेवा क्षेत्र में विस्तार की सबसे तेज दर को दर्शाता है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार और 50 से नीचे अंक का मतलब संकुचन होता है।

कीमतों में 10 फीसदी तक वृद्धि की उम्मीद

पश्चिमी दिल्ली का रियल एस्टेट बाजार है निवेश के लिए आकर्षक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रियल एस्टेट डेटा फर्म प्रॉपइक्विटी के मुताबिक मजबूत मांग के कारण इस साल अप्रैल-जून तिमाही में दिल्ली-एनसीआर में घरों की बिक्री 16 फीसदी बढ़कर 11,700 इकाई तक रहने की उम्मीद है। आगे भी बिक्री में वृद्धि का अनुमान जताया गया है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

पश्चिमी दिल्ली किफायती संपत्तियों, मेट्रो कनेक्टिविटी और मजबूत सामाजिक ढांचे के कारण निवेश के आकर्षक अवसर प्रदान करता है। 6-10 फीसदी वार्षिक मूल्य वृद्धि और 2-4 फीसदी रेंटल इनकम इसे मध्यमवर्गीय खरीदारों के लिए आदर्श विकल्प बनाती है। रियल एस्टेट डेटा फर्म प्रॉपइक्विटी के मुताबिक मजबूत मांग के कारण इस साल अप्रैल-जून तिमाही में दिल्ली-एनसीआर में घरों की बिक्री 16 फीसदी बढ़कर 11,700 इकाई तक रहने की उम्मीद है। आगे भी बिक्री में वृद्धि का अनुमान जताया गया है। एनारॉक के मुताबिक पिछले पांच वर्षों के दौरान दिल्ली में संपत्ति की कीमतों में 38 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं प्रॉपइक्विटी की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अप्रैल-जून तिमाही में दिल्ली-एनसीआर में आवासीय संपत्तियों की कीमतों में 16.2 फीसदी की वार्षिक वृद्धि हुई है। जिससे दिल्ली-एनीआर का रियल एस्टेट बाजार मध्यमवर्गीय परिवारों और युवा खरीदारों के लिए आकर्षक बन गया है। एम-सानवी रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर और सीईओ मुकेश कुमार का कहना है।

स्पेस व रक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की तैयारी

भारत-जर्मनी के बीच व्यापारिक सुगमता बढ़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने जर्मन संघीय विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को लेकर चर्चा की। इस बैठक में व्यापार बढ़ाने और बाजार पहुंच आसान बनाने पर जोर दिया गया।

भारत और जर्मनी ने व्यापार सुविधा और बाजार पहुंच को मजबूत करने पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को राजधानी दिल्ली में भारत और जर्मनी के कारोबारी प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठक की। इस बैठक की सह-अध्यक्षता जर्मनी के संघीय विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने की। जर्मन विदेश मंत्री दो दिवसीय भारत दौरे पर हैं।

रक्षा और नवाचार पर दिया गया जोर: पीयूष गोयल ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि हमने रक्षा, अंतरिक्ष, नवाचार और ऑटोमोबाइल में सहयोग के अवसरों की भी खोज की। इससे हमारी साझेदारी की व्यापक संभावना पर बल मिला।

भारत- ईयू एफटीए जल्द पूरा होने की संभावना: यात्रा के दौरान, जर्मन विदेश मंत्री ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द ही अंतिम रूप देने के लिए अपने देश की प्रतिबद्धता की दोबारा पुष्टि की। भारत और यूरोपीय संघ का लक्ष्य 2025 के अंत तक महत्वकांक्षी एफटीए को पूरा करना है।

वेडफुल ने भारत की भूमिका को रेखांकित किया: मंगलावर को जोहान वेडफुल बंगलूरू पहुंचे, जहां उन्होंने भारतीय अनुसंधान संगठन (इसरो) का दौरा किया। अपनी यात्रा से पहले उन्होंने भारत-प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक मंच पर एक प्रमुख साझेदार के रूप में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। वेडफुल ने जर्मनी और भारत के बीच घनिष्ठ राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों पर जोर दिया। साथ ही विस्तारित हो रही रणनीतिक साझेदारी को महत्वपूर्ण क्षमता वाला बताया।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण: उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश और सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की आवाज रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र से परे भी सुनी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

पिता की हत्या मामले में दो पुत्र और पुत्रवधू गिरफ्तार

मेरठ। मेरठ जिले के जमीन के लालच और पारिवारिक विवाद के चलते अपने पिता की हत्या के आरोप में दो पुत्रों और एक पुत्रवधू सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार सिसौला बुजुर्ग गांव के निवासी गुलफाम की उसके दो पुत्रों अर्सलान और फरदीन तथा पुत्रबहू शहजादी ने हत्या 30 अगस्त की रात हत्या कर दी थी। आरोपियों ने पहले कोल्डड्रिंक में नींद की गोलियां मिलाकर गुलफाम को पिलाई और फिर रस्सी से गला घोंट दिया, हत्या के बाद आरोपी अपने-अपने घर जाकर सो गए। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पत्नी गुलिस्ता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अर्सलान, उसकी पत्नी शहजादी और फरदीन शामिल हैं। तीनों को अदालत में पेश किया जाएगा।

मवेशी हाट में हुई लूट मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया

नवादा। नवादा पुलिस ने 9 माह पहले मवेशी हाट में हुई लूट के मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें 19 लाख रुपये की चोरी हुई थी और एक ड्राइवर को गोली मारी गई थी। गिरफ्तार किए लोगों की पहचान महरथ गांव के सम्पूर्णा कुमार उर्फ सिद्धार्थ कुमार और पंहेशा गांव के राजा कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से तीन मोबाइल, 1200 रुपये नकद और एक एटीएम कार्ड भी बरामद किया है। यह घटना 27 जनवरी को मवेशी हाट में हुई थी। सुबह करीब 7:30 बजे, खगड़िया से आए पशु व्यापारियों से 19 लाख रुपये लूटे गए थे। लुटेरों ने विरोध करने पर ड्राइवर मिथुन कुमार को गोली मारकर घायल कर दिया था। इसके बाद, बदमाश वाहन का शीशा तोड़कर पैसे से भरा बैग लेकर फरार हो गए थे। इस गंभीर मामले को देखकर पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी ने लगातार छापेमारी करके पहले ही मामले से जुड़े आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। 2 सितंबर को, तकनीकी और मानवीय खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, ये अपराधी एक संगठित गिरोह का हिस्सा हैं और पहले भी ऐसी कई वारदातों में शामिल रहे हैं। बाकी फरार अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस अभी भी छापेमारी कर रही है।

खतरे में पड़ी अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की बादशाहत

बीजिंग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने एक बयान से दुनिया भर में खलबली पैदा कर दी है। पुतिन ने बुधवार को चीन दौरे के समापन पर एक प्रेस वार्ता में कहा कि अब एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को समाप्त हो जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की आवश्यकता है, जिसमें किसी भी देश का वर्चस्व न हो और सभी राष्ट्र समान अधिकार के साथ सहभागिता करें। पुतिन के इस ऐलान से अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की बादशाहत को बड़ा खतरा पैदा हो गया है। पुतिन ने अमेरिका का नाम लिए बगैर कहा, एकध्रुवीय दुनिया अन्यायपूर्ण है, यह स्पष्ट है। हम अपने रिश्ते इस विचार पर विकसित कर रहे हैं कि दुनिया बहुध्रुवीय होनी चाहिए, जिसमें सभी देश बराबर हों। पुतिन ने भारत और चीन जैसे आर्थिक दिग्गजों का उल्लेख करते हुए कहा कि हां, भारत और चीन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं...और हमारा देश भी क्रय शक्ति समानता के आधार पर शीर्ष चार में है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई देश राजनीति या वैश्विक सुरक्षा पर हावी हो। पुतिन के इस बयान को यूक्रेन युद्ध पर पश्चिमी प्रतिबंधों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ की पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है। विशेष रूप से भारत और चीन पर लगाए गए टैरिफ को लेकर रूस ने एकध्रुवीय सोच की आलोचना की है। भारत पर अमेरिकी टैरिफ अब 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जिसमें 25त्न अतिरिक्त शुल्क केवल रूसी तेल खरीदने के कारण लगाया गया है। पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई अनौपचारिक बातचीत का भी उल्लेख किया, जो स्पष्ट सम्मेलन स्थल से होटल तक कार यात्रा के दौरान हुई। पुतिन ने कहाकि उन्होंने मोदी को अलास्का में हाल ही में ट्रंप से हुई बातचीत की जानकारी दी। यह कोई रहस्य नहीं है। मैंने उन्हें (मोदी) अलास्का में हुई बातचीत के बारे में बताया। पुतिन ने चीन यात्रा को बहुत सकारात्मक बताया और कहा कि सभी प्रतिभागियों द्वारा अपनाए गए।

तीन जिलों के ड्रेनों में दरार आई ... लाडवा में तटबंध टूटा, हालात चिंताजनक

हरियाणा में बर्बादी की बारिश अंबाला-भूना में घरों में घुसा पानी, 3 ड्रेनों में आई दरार

फरीदाबाद ■ एजेंसी

हरियाणा में बर्बादी की बारिश ने तबाही मचाई हुई है। अंबाला और भूना में घरों में पानी घुस गया है। अस्पतालों, स्कूलों और कॉलोनियों में पानी भर गया है। तीन जिलों के ड्रेनों में दरार आ गई है। लाडवा में तटबंध भी टूट गया है।

बारिश रूपी आफत का प्रकोप शांत नहीं हो रहा है। हरियाणा में नदी-नालों में उफान आने से स्थिति चिंताजनक हो गई है। हिसार, सिरसा और झज्जर में ड्रेनों में दरार आ गई है। घरों स्कूलों, अस्पतालों में पानी भर गया है। खेतों में फसलें डूब चुकी हैं। बारिश जनित हादसों में चार जिलों 30 मकान ढह गए या क्षतिग्रस्त हुए और आठ लोगों की जान चली गई। 9 जिलों के प्रभावित इलाकों के स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गईं। पांच जिलों में करीब 200 परिवारों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। सात जिलों की 1,71,665 एकड़ फसल डूबी हुई है।

फतेहाबाद के भूना में बाढ़ जैसे हालात हैं। 73 गांवों में जलभराव है। 600 घरों में पानी घुसने से लोग बेहाल हैं। करीब 80 परिवारों ने पलायन कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ली है। हिसार में गांव घिराय व कैमरी के पास घग्गर ड्रेन टूटने से करीब 300 एकड़ में फसलें डूब गईं। बहादुरगढ़ में दिल्ली सीमा पर मुंगेशपुर ड्रेन 50 फीट तक टूट गई जिससे पानी झाड़ौदा कलां के पास बसी गीतांजलि एन्क्लेव कॉलोनी में घुस गया। कुछ घरों में पानी भर गया। भिवानी जिले में करीब 4700 एकड़ फसल में जलभराव है। कई गांवों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी स्कूलों में भी पानी भरा है।सोनीपत में यमुना नदी का पानी खेतों में घुस गया है। कई घर पानी से घिर गए। गन्नौर में तेज आंधी से 130 खंभे व 38 ट्रांसफॉर्मर गिर गए। रोहतक जिले में 30 हजार एकड़ से अधिक फसलें बारिश के पानी में डूबी हैं। 41 गांव प्रभावित हो चुके हैं। सिरसा के चौपटा में हिसार घग्घर ड्रेन में गांव गुडिया खेड़ा के पास बुधवार को दरार आ गई। हालांकि ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए लीकेज को काबू कर लिया। कैथल जिले के छह गांवों में नदी का पानी आया है। पानी के कारण करीब 400 एकड़ फसल डूबने का अनुमान है। कुरुक्षेत्र रात के समय ईस्माइलाबाद में मारकंडा व लाडवा में राक्षी नदी का तीन स्थानों पर तटबंध टूटने से लाडवा शहर और नजदीकी गावों में पानी भर गया है। प्रभावित गांवों में एसडीआरएफ ने मोर्चा संभाल लिया है। 35 बच्चों व करीब 200 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। करनाल के कुंजपुरा, घरौंडा और इंद्री के करीब 34 गांव के खेतों में यमुना का पानी घुस चुका है।

ड्रेन नंबर-आठ में पानी का बहाव ज्यादा है। बारिश के चलते बेरी, साल्हावास और झज्जर में तीन हजार एकड़ में फसलें डूबी हैं। माजरा बी, माजरा डी, मलिकपुर समेत नौ गांवों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। भंभेवा, दूबलधन बिध्याण, किरमाण, जहाजगढ़ के सरकारी स्कूलों में पानी भरा हुआ है।

जिले में करीब 60 हजार एकड़ फसलें जलमग्न हैं। 30 गांवों के बाहरी बस्तियों और ढाणियों में पानी भरा हुआ है। 36 स्कूलों के परिसर में जलभराव है। मिर्जापुर में करीब 20 मकान मालिकों को जलभराव के कारण मकान खाली करने पड़े हैं।

फतेहाबाद और सिरसा में घग्गर नदी में उफान के बावजूद अभी जलस्तर अभी खतरे के निशान के नीचे है। सिरसा में ओटू हेड में सुबह 21 हजार क्यूसेक जलस्तर था। वहीं, दोपहर बाद 18600 क्यूसेक रह गया। नेजाडेला गांव में करीब 25 परिवार के लोगों ने अन्यत्र स्थान पर शरण ली है। जलभराव से 5000 एकड़ फसल प्रभावित है। कृषि विभाग व राजस्व विभाग की टीमें आंकलन करने में जुटी हुई है। फतेहाबाद में घग्गर में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बुधवार सुबह 14,200 क्यूसेक था और शाम को 14,300 क्यूसेक हो गया।यमुना नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। बसंतपुर व आस-पास के गांव में बुधवार को 5 फीट तक पानी भर गया है। ताजेवाला बैराज से मंगलवार देर रात और बुधवार पूरे दिन छोड़े गए पानी की वजह से यमुना का बहाव तेज हुआ है। जिले के 27 गांव प्रभावित हैं जिनमें 14 गांवों को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। कई गांवों में लोगों के घर पानी में पूरी तरह डूब चुके हैं। राजपुर गांव के राहत केंद्र में बुधवार सुबह तक 39 लोगों ने शरण ली।

फतेहाबाद-सिरसा में घग्गर खतरे के निशान के नीचे

फतेहाबाद और सिरसा में घग्गर नदी में उफान के बावजूद अभी जलस्तर अभी खतरे के निशान के नीचे है।सिरसा में ओटू हेड में सुबह 21 हजार क्यूसेक जलस्तर था। वहीं, दोपहर बाद 18600 क्यूसेक रह गया। नेजाडेला गांव में करीब 25 परिवार के लोगों ने अन्यत्र स्थान पर शरण ली है। जलभराव से 5000 एकड़ फसल प्रभावित है। कृषि विभाग व राजस्व विभाग की टीमें आंकलन करने में जुटी हुई है। फतेहाबाद में घग्गर में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बुधवार सुबह 14,200 क्यूसेक था और शाम को 14,300 क्यूसेक हो गया।

कुल्लू में फिर भूस्खलन, चपेट में आए दो मकान, एक की मौत और तीन को बचाया

शिमला ■ एजेंसी

कुल्लू जिला मुख्यालय के इनर अखाड़ा बाजार में मठ क्षेत्र से भूस्खलन में दो मकान आए हैं। एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। लेकिन लगातार बारिश होने से राहत व बचाव कार्य प्रभावित हो रहा है।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बारिश अब जानलेवा साबित हो रही है। तीन दिन के अंदर कुल्लू जिला मुख्यालय में भूस्खलन की चौथी घटना सामने आई है। गुरुवार सुबह भूस्खलन की चपेट में दो मकान और आ गए। एक की मौत हो गई है, जबकि तीन लोगों को बचा लिया गया। अभी भी छह लोग मलबे में दबे हैं। इसमें एक महिला भी शामिल है। पिछले कल हुई घटना के दोनों शव भी अभी मलबे में दबे हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 7.30 बजे कुल्लू में भूस्खलन हुआ।

मलबे के साथ भारी चट्टानें गिरी हैं। इसकी चपेट में आने से इनर अखाड़ा बाजार में दो घरों में नुकसान हुआ। एनडीआरएफ ने रेस्क्यू अभियान चला रहा है। एक महिला और पांच कश्मीरी मजदूर अभी भी घर के अंदर मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। एडीसी कुल्लू अश्विनी कुमार और एसडीएम निशांत कुमार मौके पर मौजूद हैं। प्रदेश के चार जिलों कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर के कुछ क्षेत्रों में वीरवार को बारिश का येलो अलर्ट जारी हुआ है। अन्य जिलों में भी बारिश के आसार हैं। शुक्रवार को पांच जिलों कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में बारिश का येलो अलर्ट जारी हुआ है। छह सितंबर से भारी बारिश से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। नौ सितंबर तक प्रदेश में मौसम खराब बना रहने का पूर्वानुमान है।

हिमाचल प्रदेश में सितंबर के तीन दिनों के दौरान सामान्य से 534 फीसदी अधिक बारिश दर्ज हुई है। एक से तीन सितंबर तक प्रदेश में 104 मिलीमीटर बारिश हुई। इस अवधि में 16.4 मिलीमीटर बारिश को सामान्य माना गया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला से जारी बुलेटिन के अनुसार बिलासपुर, कुल्लू और सोलन जिला में 1000 फीसदी से अधिक बादल बरसे। बिलासपुर में सामान्य से 1004, कुल्लू में 1035, सोलन में 1005, चंबा में 385, हमीरपुर में 562, कांगड़ा में 139, किन्नौर में 340, लाहौल-स्पीति में 668, मंडी में 378, शिमला में 766, सिरमौर में 792 और ऊना में 543 फीसदी अधिक बारिश हुई।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कड़ी सुरक्षा के बीच जन सुनवाई फिर से शुरू की

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कड़ी सुरक्षा के बीच बुधवार को अपनी पहली जन सुनवाई फिर से शुरू की। कुछ हफ्तों पहले एक कार्यक्रम के दौरान उन पर एक व्यक्ति ने हमला कर दिया था, जिसके बाद यह कदम उठाया गया है। सुबह 8 बजे शुरू हुई जन सुनवाई में दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से आए नागरिकों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराके मुख्यमंत्री से मदद मांगी। इस दौरान, मुख्यमंत्री एक कुर्सी पर बैठी थीं, और लोग बारी-बारी से उनके पास आकर अपने आवेदन जमा कर रहे थे। इस दौरान शिकायता लेकर पहुंचे दिल्लीवासियों ने माइक्रोफोन का इस्तेमाल कर मुख्यमंत्री से अपनी बात रखी। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए, इस बार सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। मुख्यमंत्री रेखा के चारों ओर महिला पुलिस अधिकारियों सहित कई सुरक्षाकर्मियों का घेरा था। कार्यक्रम में आने वाले हर व्यक्ति की मेटल डिटेक्टर से तलाशी ली गई।

गिरोह में सात महिलाएं और दो पुरुष शामिल

महिलाओं के मंगलसूत्र और चेन चुराने वाले गिरोह का भंडाफोड़

कौशांबी ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के कौशांबी में पुलिस ने एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो मंदिरों में दर्शन करने वाली महिलाओं के मंगलसूत्र और चेन चुराता था। इस गिरोह में सात महिलाएं और दो पुरुष शामिल थे, जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 19 मंगलसूत्र, 5 सर्जिकल ब्लेड, एक ऑटो और एक अवैध तमंचा बरामद हुआ है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी जिसके आधार पर टीम ने एक ऑटो को रोका जिसमें यह गिरोह सवार था। ये लोग मंदिरों, मेलों और बाजारों में भीड़ का फायदा उठाकर महिलाओं के गहने चुराते थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान विमलेश सरोज, समीम खान, सरोज देवी, कचनी देवी, फुलमतिया देवी, ननकी देवी, अर्चना सरोज, क्रांति सरोज और कुमारी देवी के रूप में हुई है।

पटना में बड़ा सड़क हादसा; कार ने चलते ट्रक में मारी टक्कर, पांच कारोबारियों की मौत

पटना ■ एजेंसी

पटना में भीषण सड़क हादसा हुआ है, जिसमें पांचकारोबारियों की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना पटना-गया-डोभी फोरलेन की है। सभी मृतक कीटनाशक और कृषि से जुड़े उत्पादों के कारोबारी थे।

पटना में सड़क हादसे में पांच कारोबारियों की मौत हो गई। घटना बुधवार की देर रात पटना-गया-डोभी फोरलेन स्थित परसा बाजार थाना क्षेत्र के सुइया मोड़ के पास की है। मृतकों की पहचान मृतकों की पहचान राजेश कुमार (कुर्जी), संजय कुमार सिन्हा (पटेलनगर), कमल किशोर, प्रकाश चौरसिया और सुनील कुमार के रूप में हुई है। सभी मृतक कीटनाशक और कृषि से जुड़े उत्पादों के कारोबारी थे।

टक्कर इतनी भयानक थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कार से निकालने में जुट गई। पुलिस का कहना है कि एक्सीडेंट के दौरान सभी शव कार में ही फंस गए। कटर व क्रेन की मदद से शवों को कार से बाहर निकाला गया।

पुलिस ने आननफानन में शवों को पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेज दिया। घटनास्थल पर मौजूद मनेर थानाध्यक्ष मेनका रानी ने बताया कि शवों के पास मिले मोबाइल और कागजात से उनकी पहचान हुई। परिजनों को सूचना दी गई है, जिसके बाद रात में ही परिजन अस्पताल पहुंच गये।

मृतक राजेश कुमार के भाई ने बताया कि सभी लोग फतुहा से लौट रहे थे। राजेश कुमार की कीटनाशक और कृषि उत्पादों की एजेंसी है और सभी कारोबारी एक साथ बिहटा-सरमेरा रोड होते हुए पटना वापस लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक कार ने चलते ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक में फंसी कार कुछ दूर तक खींचती चली गई। ट्रक चालक को घटना की तत्कालीन जानकारी नहीं हो पाई थी। फिर अन्य गाड़ी वालों ने ट्रक को रुकवाया और फिर पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना के संबंध में मनेर थानाध्यक्ष मेनका रानी ने बताया कि हादसा संभवत तेज रफ्तार के कारण हुआ।

कार्यालय नगर पालिक, निगम भोपाल
यांत्रिक विभाग जोन क्रं.-09 महावीर चांदबड़
निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र

क्र./यां.वि./जोन 09/2025 — भोपाल, दिनांक 25.08.2024

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केंद्रीयकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहरबंद निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर.	कार्य की अवधि
01	2025 _UAD _446464_1	Supply of Material of Pothole filling at Kushipura, Rajendra Nagar Dwarka nagar, Krishna Nagar, Vijay nagar Kapda mile Road, Semra Road And Surrounding Area Ward 37 Zone 09 (2025100787)	231380/-	2,313/-	2000/-	MPUADD NON-SOR WORKS, 2021	1 Month
02	2025 _UAD _446491_1	Supply of Material of Pothole filling at Swadesh Nagar, Ektapuri Road, Shakar Garden, Laxmipuri Hinotiya, Chandbad, Proshotham Nagar, Ashoka Garden Thana Semra Road And Surrounding Area Ward 38 Zone09 (2025100789)	246470/-	2,464/-	2000/-	MPUADD NON-SOR WORKS, 2021	1 Month
03	2025 _UAD _446492_1	Supply of Material of Pothole filling at Various places Chandbad, Railway Station Road, Garam Gadda Road, Sikandri Sarai Kammu ka Bagh pushpa Nagar of Ward 36 Zone 09 (2025100842)	210650/-	2,106/-	2000/-	MPUADD NON-SOR WORKS, 2021	1 Month

1- निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.govin पर देखी जा सकती है।
2- किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा।

सहायक यंत्री (सिविल)
नि.क्र. 2365/025/026 — नगर निगम, भोपाल

कैरियर कॉलेज के सामने तिराहे पर हुआ गड्ढा

अशोका गार्डन थाने से सेमरा जाने वाले रोड पर गड्ढे ही गड्ढे

आईएसबीटी एवं अन्ना नगर तिराहे जाने वाले तिराहे पर जानलेवा गड्ढा

भोपाल। राजधानी भोपाल में भारी बारिश ने सरकार के दावों की पोल खोल दी है। शहर के सबसे व्यस्त चौराहे पर गड्ढे ही गड्ढे नजर आने लगे है। इन सड़कों पर चलना भी मुश्किल हो गया है जो आए दिन दुर्घटनाओं को निमंत्रण दे रहे है। वहीं केरियर कॉलेज के सामने सड़क पर गहरे गड्ढे हो गए है, अशोका गार्डन थाने से सेमरा जाने वाली सड़क, चेतक ब्रिज के पास आईएसबीटी एवं अन्ना नगर तिराहे पर सड़कें पूरी तरह गड्ढों में तबदील हो चुकी है जिसके चलते आम लोग हर दिन दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं चौटिल होने के कारण नागरिक जिम्मेदारों को कोश रहे हैं।

भोपाल ड्रग्स मामला:

मछली परिवार और उसके करीबियों के 99 एकड़ जमीन कब्जा मामले की

सीमांकन रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश की राजधी भोपाल में बहुचर्चित ड्रग्स तस्करी के आरोपी मछली परिवार और उसके करीबियों के पशुपालन के 99 एकड़ जमीन कब्जा मामले में गोविंदपुरा एसडीएम रवीश श्रीवास्तव ने सीमांकन की रिपोर्ट कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को सौंप दी है। डायमंड सिटी की एक एकड़ से ज्यादा जमीन सरकारी है।

दरअसल शारिक मछली परिवार द्वारा काटी जा रही कॉलोनी की सड़क भी पशुपालन विभाग की जमीन पर है। प्रशासन रास्ते को जल्द बंद कर सकता है रास्ते को जल्द बंद कर सकता है। 6 एकड़ सरकारी जमीन पर फर्शी का कारोबार, मकान दुकान, पेट्रोल पंप और तीन मंजिला हॉस्टल और स्कूल बना दिया गया है।

पशुपालन विभाग की जमीन पर बायपास

कब्जाधारियों को आज नोटिस जारी हो सकता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पशुपालन विभाग की जमीन पर बायपास बन गया है। पशुपालन विभाग ने अपनी जमीन पर कब्जे की आशंका जताई थी, जिसके बाद सर्वे किया गया। सर्वे में यह खुलासा हुआ है।

शारिक मछली को छुड़वाने मध्यप्रदेश से दिल्ली पहुंचा बिजनेस पार्टनर

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सदस्य के घर जाकर दिया 'मिठाई' का लालच, बोला- उसे छोड़ दीजिए

राजधानी भोपाल के है प्रोफाइल ड्रग तस्कर और यौन शोषण के आरोपी शारिक मछली समेत पूरे परिवार पर एमपी सरकार की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। लेकिन शारिक मछली को बचाने अब दिल्ली तक दौड़ लगाई जा रही है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां एक शख्स खुद को गैंग का बिजनेस पार्टनर बताकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सदस्य के घर पहुंच गया। इस दौरान वह अपने साथ 'मिठाई' भी ले गया और छोड़ने के लिए कहने लगा।

दरअसल, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सदस्य प्रियंक कानूनगो ने सोशल मीडिया पर इसका खुलासा किया है। जिसमें उन्होंने शारिक मछली के गैंग के पार्टनर का उनके घर में आने और इस केस से निकालने की मांग करने का दावा किया है।

'शारिक मछली का बहुत नुकसान हो गया है...

प्रियंक कानूनगो ने एक्स पर लिखा, 'मेरे दिल्ली शासकीय आवास पर जैनेंद्र पाठक नामक एक व्यक्ति स्वयं को मध्यप्रदेश का निवासी बता कर मुलाकात के लिए आया। मुझसे मिलकर बोला कि वो भोपाल वाले शारिक मछली के साथ प्रॉपर्टी का धंधा करता है व उसकी तरफ से आया है। उसका बहुत नुकसान हो गया है उसको छोड़ दीजिए।

'जांच पूरी सख्ती और सत्यनिष्ठा से की जाएगी'

उन्होंने आगे लिखा, मैंने उसको डांट कर भगा दिया। वो अपने साथ लाई मिठाई देना चाह रहा था जो वो जाते वक्त घर के दरवाजे पर छोड़कर भाग गया। हमने पुलिस को शिकायत कर दी है। पुलिस डिब्बे को जब्त कर ले गई है। शारिक के विरुद्ध हिंदू लड़कियों को ड्रग देने, बलात्कार करने, वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और इस्लाम में धर्मांतरित करने के मामले के अलावा वंचित तबके के हिंदू केवट मांझी जाति के लोगों के वंशानुगत अधिकार वाले तालाबों पर मत्स्याखेट के लिए कब्जे किए जाने के मामले में मेरे निर्देश पर जांच की जा रही है। जांच पूरी सख्ती और सत्यनिष्ठा से की जाएगी।'

पति महिलाओं की लूटता था इज्जत, पत्नी बनाती थी MMS

खुद को उद्योगपति बताकर दिया शादी का झांसा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल से शादी का झांसा देकर महिलाओं से दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां आरोपी खुद को बिजनेसमैन बताकर रेप करता था। वहीं उसकी पत्नी एमएमएस बनाया करती थी। पूरा मामला बागसेवनिया थाना क्षेत्र का है।

आरोपी का नाम अविनाश प्रजापति है। वह खुद को बड़ा उद्योगपति बताकर महिलाओं को झांसा दिया करता था। पीड़ित महिलाएं मेट्रीमोनियल साइट के जरिए आरोपी के संपर्क में आई थीं। जांच के दौरान सामने आया है कि अविनाश ने खुद को तलाकशुदा बताकर दो महिलाओं का रेप कर 85 लाख रुपए की ठगी की।

दरअसल, अवधपुरी की रहने वाली महिला का तलाक हो गया था। जिसके बाद उसने दूसरी शादी के लिए मेट्रोमोनियल साइट का सहारा लिया। इस दौरान उसकी दोस्ती अविनाश से हो गई। आरोपी ने खुद को तलाकशुदा बताया और कहा कि उसका स्टील का कारोबार है। साथ ही छत्तीसगढ़ में धनलक्ष्मी नाम की फैक्ट्री का संचालन करता है।

महिला जब उसके घर मिलने के लिए आई तो उसने पत्नी को अपनी मां बताया। बातचीत के दौरान कुछ प्राइवेट बात करने के नाम पर वह उसे कमरे में ले गया। जहां उसकी इज्जत लूटी। इस दौरान चुपके से पत्नी अश्लील वीडियो बना लिए। आरोपी ने कहा कि शादी से पहले बिजनेस बढ़ाने के लिए उसे पैसों की जरुरत है।

और भी महिलाओं के साथ गलत काम के हो सकते हैं खुलासे

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसे न्यायालय में पेश कर रिमांड लेगी। आशंका है कि पूछताछ में और भी महिलाओं के साथ गलत काम करने के खुलासे हो सकते हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला से ऐंठे लाखों रुपए

उसकी बातों में आकर महिला ने अपनी सारी जमापूंजी किए हुए 40 लाख कैश और 5 लाख रुपए के जेवर दे दिए। इसके बाद अविनाश ने शादी से इंकार कर दिया। जिसके बाद उसने थाने में इसकी शिकायत की। इसी तरह एक और महिला के साथ भी उसने इसी तरह की धोखाधड़ी की थी और उससे 40 लाख रुपए हड़प लिए।

3.5 फीट ऊपर बह रही कोलांस नदी

कभी भी खुल सकते हैं भदभदा डैम के गेट

भोपाल। राजधानी और आसपास लगातार बारिश से जलाशयों के जल स्तर में इजाफा हो रहा है। भोपाल में पिछले 24 घंटे में 1.9 इंच बारिश हो गई। वहीं, सीहोर जिले में भी बारिश का दौर जारी रहा। इस वजह से भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब में पानी बढ़ गया है। गुरुवार सुबह तक लेवल 1666.10 फीट पर आ गया। यानी, अब तालाब पौन फीट भी खाली नहीं है। 0.7 फीट पानी आते ही बड़ा तालाब से पानी छलक उठेगा। यदि बारिश का दौर जारी रहा तो कल ही भदभदा डैम के गेट खुल सकते हैं। सीहोर जिले और कैचमेंट एरिया में बारिश होने की वजह से कोलांस नदी भी साढ़े 3 फीट ऊपर से बह रही है। यह पानी सीधे बड़ा तालाब में पहुंच रहा है। इस वजह से बड़ा तालाब में पानी का लेवल बढ़ रहा है।

भोपाल। पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष स्वर्गीय राम किशोर शुक्ल की जन्म जयंती पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सहित अनेक लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

भोपाल। कोटवारों ने गुरुवार को अपनी मांगों के निराकरण के लिए अटल पथ पर धरना दिया, धरने में बड़ी संख्या में प्रदेशभर के कोटवार शामिल हुए।

26 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से तेज बारिश का दौर चल रहा है। गुरुवार को 26 जिलों में अति भारी या भारी बारिश की चेतावनी दी है। अगले 24 घंटे के दौरान झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, देवास और सीहोर में अति भारी बारिश होने का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 8 इंच तक पानी गिर सकता है।वहीं, भोपाल, गुना, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, उज्जैन, इंदौर, रतलाम, धार, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, पांढुर्णा, सिवनी और बालाघाट में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। सीनियर मौसम ने बताया कि एक मानसून ट्रफ प्रदेश से गुजर रही है। वहीं, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन का भी असर है। इस वजह से अगले तीन दिन तक प्रदेश में तेज बारिश का दौर बना रहेगा।

जल जीवन मिशन में गड़बड़ी, केंद्र का अतिरिक्त राशि देने से इंकार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) ने उन 141 इंजीनियरों को नोटिस जारी किए हैं, जिन्होंने बिना फील्ड विजिट और साइट निरीक्षण किए बंद कमरों में बैठकर योजनाओं की डीपीआर तैयार की। इन इंजीनियरों पर यह आरोप है कि इन्होंने कागजों पर योजनाओं के आकलन में भारी गड़बड़ी की, जिसके चलते योजनाओं की लागत बेवजह बढ़ गई।

जांच में पाया गया कि संबंधित इंजीनियरों ने न तो गांवों का दौरा किया और न ही स्थलीय स्थिति का आकलन किया। पूरी डीपीआर केवल कागजों पर तैयार की गई। इसी आधार पर विभाग ने 141 इंजीनियरों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। नोटिस उन इंजीनियरों को भी भेजे गए हैं, जो अब रिटायर हो चुके हैं। ऐसे मामलों में विभागीय स्तर पर कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

141 इंजीनियरों को नोटिस

केंद्र ने बढ़ी राशि देने से किया इनकार

दरअसल, केंद्र सरकार ने बढ़ी हुई लागत को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद प्रदेश सरकार ने अतिरिक्त 2,813 करोड़ रुपये खर्च करने की स्वीकृति दी, ताकि करीब सात लाख घरों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य प्रभावित न हो।

19 हजार योजनाओं में से 8,358 में गड़बड़ी

प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत 19,000 से अधिक योजनाओं का प्रस्ताव तैयार किया गया था। जांच में सामने आया कि इनमें से 8,358 योजनाओं का आकलन गलत किया गया। डीपीआर में खर्च का अनुमान वास्तविकता से मेल नहीं खा रहा था। अब राज्य सरकार ने कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर अतिरिक्त राशि वहन करने को मंजूरी दी है।

अवैध शराब दुकान पर नहीं की कार्रवाई

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कलेक्टर और आयुक्त को जारी किया समन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल में अवैध शराब दुकान-कम-बार पर कार्रवाई नहीं करने पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह और आबकारी आयुक्त को समन जारी जारी कर 3.अक्टूब 2025 को मानव अधिकार आयोग के दिल्ली स्तिथ केंद्रीय कार्यालय में आवश्यक प्रतिवेदन सहित व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने को कहा है।

दरअसल भोपाल के पॉश अरेरा कॉलोनी में आवासीय भूखंड पर अवैध शराब दुकान-कम-बार संचालित किया जा रहा जिसकी शिकायत रहवासियों द्वारा जिला प्रशासन से की गई परंतु आबकारी विभाग की लापरवाही के चलते आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई जिसके बाद रहवासियों द्वारा राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

जानकारी के मुताबिक 28.जुलाई 2025 को आयोग के सदस्य प्रियांक कनूगो की पीठ ने इस मामले में मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के अंतर्गत संज्ञान लिया था।प्रदेश सरकार को निर्देशित किया गया था कि भोपाल के जिला मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी कर शिकायत की जांच कराकर 15 दिनों में कार्रवाई प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। इसके बावजूद आयोग

के निर्देशों तथा 19.अगस्त.2025 को भेजे गए स्मरण पत्र के बाद भी आवश्यक प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया। आयोग ने इस पर गंभीर दृष्टिकोण अपनाते हुए आबकारी आयुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट, भोपाल को सशर्त सम्मन जारी किय गया है। उन्हें 3.अक्टूब 2025 को मानव अधिकार आयोग के दिल्ली स्तिथ केंद्रीय कार्यालय में आवश्यक प्रतिवेदन सहित व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश जारी किया गया है।

कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा है कि यह बेहद शर्मनाक है कि आयोग की बार-बार की नोटिस और चेतावनियों के बावजूद सरकार ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की। यह लापरवाही नहीं, बल्कि शराब माफियाओं के साथ खुली साठगांठ है। भाजपा सरकार जनता की सुरक्षा नहीं, बल्कि माफियाओं के मुनाफे की चौकीदारी कर रही है।

आंदोलन की चेतावनी

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि शराब दुकान धार्मिक स्थल और बच्चों के अस्पताल के पास खुलवाना न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि रहवासियों के अधिकारो का हनन और समाज की आत्मा के खिलाफ गंभीर अपराध है। यह सब आबकारी विभाग, जिला प्रशासन और शराब माफियाओं की मिलीभगत से हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने इस अवैध दुकान को तुरंत बंद कर, लाइसेंस रद्द नहीं किया और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर जनता के हित में आंदोलन करेगी। भाजपा सरकार को तत्काल प्रभाव से इस मामले में सख्त एक्शन लेना चाहिए।

मुर्दे के गले से चोरी हुआ मंगलसूत्र

शादी के सात महीने बाद नवविवाहिता ने लगा ली थी फांसी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में एक 20 वर्षीय नवविवाहिता ने शादी के केवल सात महीने बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिसने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर पैदा कर दी है। मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया था, लेकिन जब परिजनों ने शव लिया, तो उन्होंने मंगलसूत्र चोरी होने का गंभीर आरोप लगाया। इस घटना ने न केवल परिवार को सदमे में डाल दिया, बल्कि अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी है और मोर्चरी में चोरी के आरोप की जांच का आश्वासन दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, यह दुखद घटना भोपाल के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के बरखेड़ी में हुई, जहां 20 वर्षीय लक्ष्मी विश्वकर्मा अपने पति दीपक विश्वकर्मा के साथ किराए के कमरे में रहती थी। दोनों मूल रूप से रायसेन जिले के बरेली के पास के रहने वाले थे और रोजगार की तलाश में कुछ महीने पहले भोपाल आए थे।

थाना प्रभारी चतुर्भुज सिंह राठौर ने बताया कि मंगलवार को दीपक काम की तलाश में बाहर गया था। इस दौरान लक्ष्मी ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। जब दीपक घर लौटा, तो उसने लक्ष्मी को फंदे पर लटका हुआ पाया। पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और पंचनामा बनाकर उसे हमीदिया अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।